आषाढ़ कृष्णा - 4 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 315 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 15-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा ने लालू प्रसाद पर अंबेडकर का अपमान करने का लगाया आरोप

6 हवलदार पवन कुमार यादवः बारूदी सुरंगों के बीच आतंकवादियों का किया संहार

7 कश्मीरी पंडित का किरदार निभाना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि एक जिमेदारी थी : दर्शन कुमार

फर्स्ट टेक

कांगो की राजधानी में भारी बारिश से आई बाढ़

किंशासा (कांगो)/एपी। कांगो की राजधानी किंशासा के कई इलाकों में भीषण बाढ़ से 19 लोगों की मौत हो गई और भारी क्षति हुई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय महापौर फुलगेन्स बोलोकोमे ने रेडियो स्टेशन 'टॉप कांगो' को बताया कि शुक्रवार से शनिवार तक हुई भारी बारिश के कारण किंशासा के पश्चिमी इलाके नगालीमा में बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शहर के दो रास्ते भी कट गए हैं। लेम्बा के महापौर जीन-सर्ज पोबा ने बताया कि बाढ़ के कारण दक्षिणी इलाके में दीवार गिर जाने से दो अन्य लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस कैंप और एक पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया।

कराची में एक बार फिर महसूस किए गए भूकंप के हल्के झटके

कराची/भाषा। पाकिस्तान के आर्थिक केंद्र कराची में शनिवार को एक बार फिर भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कम से कम पांच इलाकों में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। लगभग 15 दिन पहले भी कई बार झटके महसूस किए गए थे। कराची मौसम विज्ञान केंद्र के प्रमुख मौसम वैज्ञानिक आमिर हैदर के अनुसार, शनिवार को आए झटकों की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.2 मापी गई। भूकंप जमीन के भीतर 38 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। हैदर ने बताया कि ये झटके शहर के कम से कम पांच इलाकों में दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि लांधी इलाके की एक ऐतिहासिक भूकंपीय 'फॉल्ट लाइन' से भूकंपीय ऊर्जा निकलने के कारण ये झटके महसूस हो रहे हैं।

स्टालिन ने ईरान के खिलाफ इजराइल की आक्रामकता को 'दुस्साहस' करार दिया

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को ईरान के खिलाफ इजराइल की आक्रामकता को ''दुस्साहस'' करार देते कहा कि इससे युद्ध भड़कने का खतरा है। सत्तारूढ़ द्रमुक के अध्यक्ष ने दोनों पक्षों से संयम बरतने का आह्वान किया। स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ईरान पर इजराइल का हमला आक्रामकता का एक दुस्साहसी कृत्य है, जिससे व्यापक युद्ध भड़कने का खतरा है। गाजा पर लगातार बमबारी और फलस्तीनी नागरिकों की पीड़ा के साथ, इस हिंसा की निंदा की जानी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''विश्व को संयम, न्याय और सार्थक कूटनीति के लिए प्रयास करना चाहिए।''

15-06-2025	16-06-2025
सूर्यास्त 6:36 बजे	सूर्योदय 5:42 बजे

BSE	NSE
81,118.60	24,718.60
(-573.38)	(-169.60)

सोना	चांदी
10,441 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	120,000 रु. प्रति किलो

अहमदाबाद विमान दुर्घटना के 'कारण' का पता लगाने के लिए समिति गठित

इस हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 270 हो गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/अहमदाबाद/भाषा। केंद्र सरकार ने अहमदाबाद से लंदन के गैटविक जा रहे एअर इंडिया के विमान के उड़ान भरने के कुछ क्षण बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के 'मूल कारण' का पता लगाने और यांत्रिक विफलता, मानवीय भूल और नियामक अनुपालन सहित अन्य कारकों का आकलन करने के लिए शनिवार को एक उच्च स्तरीय बहु-विषयक समिति गठित की है। वहीं, इस हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 270 हो गई है।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता वाली समिति को तीन महीने में अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि विमानन नियामक डीजीसीए ने

टाटा के स्वामित्व वाली विमान कंपनी के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर श्रृंखला के विमानों के लिए ''विस्तारित निगरानी'' का आदेश दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि समिति संबंधित संगठनों द्वारा की जा रही अन्य जांचों का विकल्प नहीं होगी।

एअर इंडिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उसने अपने नौ बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों की एक बार की सुरक्षा जांच की है और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के निर्देशानुसार शेष 24 ऐसे विमानों की जांच पूरी करने की दिशा में अग्रसर है। एअर इंडिया के बेड़े में अब 26 बोइंग 787-8 और सात बोइंग 787-9 विमान हैं।

एयर इंडिया पीड़ित परिजनों को 25-25 लाख रुपए की मदद देगा

एयर इंडिया ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में हताहत लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए या 21 हजार पौंड देने की घोषणा की है। एयर इंडिया ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, एयर इंडिया उन यात्रियों के परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ा है जिनके परिजनों ने इस दुखद दुर्घटना में जान गंवा दी थी। हमारी टीमें इस अविश्वसनीय रूप से कठिन समय के दौरान उनकी देखभाल और उन्हें समर्थन देने का हर संभव प्रयास कर रही हैं। एयरलाइन ने कहा कि उसके निरंतर प्रयासों के हिस्से के रूप में, एयर इंडिया तत्काल वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए मृतकों के परिवारों और जीवित बचे लोगों को 25 लाख रुपए या लगभग 21,000 पौंड का अंतरिम भुगतान प्रदान करेगी।

खरगे ने लिया विमान दुर्घटना स्थल का जायजा, पीड़ित परिजनों से भी मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को यहां विमान हादसे में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। वह सिविल अस्पताल भी गये और घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

कांग्रेस अध्यक्ष ने अहमदाबाद में विमान दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से बातचीत कर मौजूदा हालात का जायजा लिया। बाद में उन्होंने अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भीषण विमान हादसे के पीड़ितों से भी मुलाकात की। खरगे ने सोशल मीडिए एक्स पर यह जानकारी देते हुए बताया देश को झकझोर कर रख देने वाले अत्यंत दुर्भाग्यपूण विमान दुर्घटना स्थल पर गया। इस विमान हादसे में मारे गये लोगों, पायलट, सहयोगी पायलट को श्रद्धांजलि। मेरी भावना ज़मीन पर मौजूद उन सभी लोगों के परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपनी जान गंवाई है, जिनमें मेडिकल छात्र भी शामिल हैं। उन्होंने कहा यह एक अकल्पनीय त्रासदी है। पूरा देश शोक में है और हमारी प्रार्थनाएँ शोक संतप्त लोगों के साथ हैं। विमान हादसे की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

पूर्व वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल अरूप राहा (सेवानिवृत्त) का दावा

एअर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान के इंजन में अहम समय में ऊर्जा आपूर्ति हुई थी बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ दुर्घटना के पीछे कई अन्य कारण भी हो सकते हैं, जैसे ईंधन में मिलावट, तथा सॉफ्टवेयर और नियंत्रण प्रणालियों में गड़बड़ी।

कोलकाता/भाषा। पूर्व वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल अरूप राहा (सेवानिवृत्त) ने शनिवार को दावा किया कि 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे के निकट दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान के इंजन में निश्चित रूप से महत्वपूर्ण चरण में ऊर्जा बाधित हो गई थी और उसे ठीक करने का कोई समय नहीं था। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के पीछे कई अन्य कारण भी हो सकते हैं, जैसे ईंधन में मिलावट, तथा सॉफ्टवेयर और नियंत्रण प्रणालियों में गड़बड़ी।

राहा ने कुछ लोगों द्वारा जताई गई तोड़फोड़ की आशंका को खारिज करते हुए कहा कि सभी तरह की अटकलों से बचना चाहिए और नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जांच पूरी होने तक इंतजार

किया जाना चाहिए।

अहमदाबाद से लंदन के गैटविक जा रही एअर इंडिया की उड़ान एआई171 बृहस्पतिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर की इमारतों से टकरा गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 लोगों की मौत हो गई, तथा जमीन पर भी कई अन्य लोग मारे गए।

पूर्व वायुसेना प्रमुख ने रक्षा क्षेत्र में एमएसएमई की भूमिका पर आईसीसी के एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, ''यह बहुत दुखद और हृदय विदारक है। इतने सारे लोग एक साथ मारे गए। अभी यह कहना बहुत मुश्किल है कि क्या गलत हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से ऊर्जा में कमी आई और एक महत्वपूर्ण चरण में... आप जमीन से हवा में उड़ रहे हैं, आपकी ऊंचाई कम है। संभलने का कोई समय नहीं था। और इंजन की शक्ति में कमी के परिणामस्वरूप विमान रुक जाएगा... (विमान) फिर बहुत तेजी से नीचे गिरेगा और दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगा और यही हुआ था।''

सीआरपीएफ शिविर हमलाः

एनआईए ने 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2024 में छत्तीसगढ़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर हमले के मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। ये आरोपी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के हैं और इनमें से 16 फरार हैं। एनआईए ने शनिवार को बताया कि कुल 17 आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसकी पहचान सोदी बामन उर्फ देवल के रूप में हुई है। जगदलपुर में एनआईए की विशेष अदालत के समक्ष दाखिल आरोपपत्र में सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाये गये हैं। हमलावरों ने शिविर से सुरक्षा बलों के हथियार और अन्य सामान लूटने का प्रयास किया था। धर्मावरम सीआरपीएफ शिविर पर हमले में 12 जवान घायल हो गये थे।

ईरान ने अपने परमाणु और सैन्य ठिकानों पर इजराइली हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने शनिवार सुबह इजराइल पर जवाबी हमले करते हुए मिसाइल और ड्रोन दागे, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। यह हमला ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके सशस्त्र बलों पर इजराइल के कई हमलों के बाद हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, इजराइल ने प्रमुख प्रतिष्ठानों पर हमला करने तथा शीर्ष जनरलों और वैज्ञानिकों को मारने के लिए लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया। इजराइल ने साथ ही देश में पहले से गोपनीय तरीके से लाए गए ड्रोनों का भी इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र के लिए ईरान के राजदूत ने कहा कि हमलों में 78 लोग मारे गए और 320 से अधिक घायल हुए। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार कर दी, जिसके विस्फोटों से यरुशलम और तेल अवीव के ऊपर रात के आसमान में रोशनी हो गई।

इजराइल और ईरान दोनों ने कहा कि उनके हमले जारी रहेंगे, जिससे पश्चिम एशिया में लंबे समय तक एक और संघर्ष के जारी रहने की आशंका बढ़ गई है।

इजराइल मध्य पूर्व और उससे परे स्वतंत्रता की कर रहा है रक्षा : बेंजामिन नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल मध्य पूर्व और उससे परे स्वतंत्रता की रक्षा कर रहा है।

नेतन्याहू ने एक वीडियों संदेश में कहा कि इजराइल मध्य पूर्व और उससे परे स्वतंत्रता की रक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम ऐसा एक अत्याचारी और कट्टरपंथी ईरानी शासन के खिलाफ कर रहे हैं जो हमें नष्ट करने के लिए परमाणु बम बनाना चाहता है और दुनिया में हर जगह और किसी को भी धमकाने में सक्षम होने के लिए अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों सहित बैलिस्टिक मिसाइलों का निर्माण करना चाहता है।

इजराइली ड्रोन ने ईरान के दक्षिण पारस गैस क्षेत्र में रिफाइनरी को निशाना बनाया

दुबई/एपी। इजराइल के एक ड्रोन ने शनिवार को ईरान के दक्षिण पारस गैस क्षेत्र में रिफाइनरी पर हमला किया। ईरान की अर्द्धसरकारी समाचार एजेंसियों ने यह जानकारी दी है। अगर इसकी पुष्टि हो जाती है, तो यह ईरान के तेल और प्राकृतिक गैस उद्योग पर पहला इजराइली हमला होगा। फिलहाल इजराइल ने हमले की पुष्टि नहीं की है। ऐसी जगहों के आसपास हवाई रक्षा प्रणालियां होती हैं, जिन्हें इजराइल शुक्रवार से ही निशाना बना रहा है। 'फार्स' और 'तस्नीम' समाचार एजेंसियों ने इस हमले की खबरों में कहा कि यह क्षेत्र के चरण 14 में हुआ। ईरान, कतर के साथ गैस क्षेत्र को साझा करता है, जो फारस की खाड़ी में फैला हुआ है।

ईरान के पास परमाणु समझौता करने का 'दूसरा अवसर' है : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। इजराइल द्वारा ईरान पर बमबारी जारी रखने का संकल्प जताए जाने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान से आग्रह किया कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के लिए शीघ्र समझौता करे। ट्रंप ने पश्चिम एशिया में इस नाजुक क्षण को ईरान के नेतृत्व के लिए एक संभावित ''दूसरे अवसर'' के रूप में प्रस्तुत किया ताकि और अधिक तबाही से बचा जा सके। राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइल के विनाशकारी हमलों के बाद आगे की ''कठिन'' राह पर चर्चा करने के लिए अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक की। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकल्प जताया है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने तक हमले जारी रहेंगे।

इजराइली हमले में ईरानी सैन्य खुफिया प्रमुख की मौत

तेल अवीव/तेहरान/भाषा। इजराइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि इजराइली हमलों में ईरानी सैन्य खुफिया विभाग और आईआरजीसी की बैलिस्टिक मिसाइल इकाई के प्रमुख मारे गए। आईडीएफ ने कहा कि इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ अभियान शुरू करने के बाद से अब तक कुल 20 शीर्ष ईरानी सैन्य कमांडर मारे जा चुके हैं। आईडीएफ के अनुसार, ईरानी सशस्त्र बलों के खुफिया विभाग के प्रमुख घोलम-रजा मरहबी आज तड़के इजराइल के शुरुआती हमलों में मारे गए। इसके अलावा, आईडीएफ ने कहा कि आज एक हमले में आईआरजीसी की सतह से सतह पर मिसाइल व्यवस्था का कमांडर, मोहम्मद बघेरी भी मारा गया। मरहबी ईरानी सशस्त्र बलों के लिए खुफिया स्थिति का आकलन करने के लिए जिम्मेदार थे और उन्हें ईरान का सबसे वरिष्ठ खुफिया अधिकारी माना जाता था।

इजराइल की सेना ने भारत का गलत नक्शा पोस्ट करने के लिए माफी मांगी

यरुशलम/भाषा। इजराइली सेना ने जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान के हिस्से के रूप में दर्शाने वाला गलत नक्शा पोस्ट करने के लिए माफी मांगी है और कहा है कि संबंधित मानचित्र ''सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा।'' इजराइली सेना की ओर से मानचित्र पोस्ट किए जाने के बाद भारतीय सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने आपत्ति जताई थी। यह नक्शा इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शुक्रवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया था जिसमें ईरानी मिसाइलों की रेंज दिखाई गई थी। इस पोस्ट की भारत में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने आलोचना की थी। इस संबंध में एक उपयोगकर्ता ने 'एक्स' पर टिप्पणी की, ''अब आपको समझ में आ गया होगा कि भारत तटस्थ क्यों रहता है। कूटनीति में कोई भी वास्तव में आपका मित्र नहीं होता।'' जवाब में आईडीएफ ने स्वीकार किया कि मानचित्र ''सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा है''। आईडीएफ ने 'एक्स' पर कहा, ''यह पोस्ट क्षेत्र का एक चित्रण है। यह मानचित्र सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा है। इस छवि के कारण पहुंची किसी भी ठेस के लिए हम क्षमा चाहते हैं।''

शांतिपूर्ण दुनिया के लिए अभी उठाएं कदमः गुटेरेस

संयुक्तराष्ट्र /भाषा। संयुक्तराष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अंतराष्ट्रीय शांति दिवस के लिए अपने संदेश में दुनिया के लोगों से शांति के लिए अपनी भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए ' शांतिपूर्ण दुनिया के लिए अभी उठाएं कदम का नारा दिया है। गुटेरेस ने शांति दिवस की तैयारियों को लेकर शनिवार को एक संदेश में विश्व के लोगों से इस सौ दिन की अवधि में दुनिया को और अधिक शांतिपूर्ण बनाने के लिए अपना व्यक्तिगत योगदान करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है, ' शांति को अगे के लिए नहीं टाला जा सकता- शांति की शुरुआत स्वयं से की जाती है।' संरा महासचिव ने कहा, हम सभी में वह शक्ति है जिससे हम तोपों को शांत करने में संबंधों को जोड़ने में और स्थायी परिवर्तन लाने में मदद कर सकते हैं।'

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मृत्यु के बाद

कौन अमर हो कर आया है,
सबको ही इक दिन मरना है।
कैसे कहां मरेगा कोई,
इससे नहीं कभी डरना है।
किसने कैसे जीवन जीया,
उससे किसको क्या करना है।
किंतु मृत्यु के बाद सदा बस,
बहता दुख का ही झरना है।।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्री ऋषभाद्रि डॉ राजकुमार ट्रस्ट द्वारा कामाक्षीपाल्या में अणम्मा देवी उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की।

आचार्य तुलसी एक निर्भीक नेता, चेता व विश्व विजेता थे : साध्वीश्री सयंमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में चेतना केंद्र परिसर में चल रहे अष्ट दिवसीय प्रेक्षाध्यान शिविर के दौरान साध्वीश्री संयमलता जी के सान्निध्य में आचार्य तुलसी का 29 वां महाप्रयाण दिवस चेतना सेवा केंद्र में मनाया गया। साध्वीश्री संयमलता जी ने कहा कि अध्यात्म जगत के सुप्रसिद्ध धर्मगुरु, 20वीं सदी के महानायक, समाज सुधारक, माहामानव आचार्य तुलसी, जो तेरापंथ की धरती पर भोर की किरण बन उतरे, धूप की भांति खिले और प्रचंड सूर्य की भांति तपते हुए विश्व की तमिस्त्रा को उजालों से भर दिया । आचार्य तुलसी ने अपनी चिंतन शक्ति और कर्म शक्ति से धर्म संघ को शक्तिशाली बना दिया। वे एक निर्भीक नेता, निर्भीक चेता थे, विश्व विजेता थे।

वे संघर्षों के सामने डिगे नहीं और नए-नए अवदान दिए। आज का दिन विसर्जन के रूप में भी मनाया जाता है। साध्वी श्री मार्दवश्रीजी ने कहा कि श्वास दर्शन विसर्जन का एक सरल उपाय है। व्यक्ति श्वास को देखते-देखते अपनी शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक बीमारियों का विसर्जन कर सकता है। साध्वी मनीषा प्रभा जी ने कहा कि आचार्य तुलसी महान आचार्य थे। उनका जीवन अवदानों का प्रतीक है। महापुरुषों ने विसर्जन किया तो वे महान बन गए। इस अवसर पर प्रेक्षा प्रशिक्षक दक्षिणांचल एवं इस शिविर की संयोजिका वीणा बैद, मुम्बई से आए प्रेक्षा प्रशिक्षक बिनोद राठौड़ तथा टीम प्रेक्षाध्यान शिविर के सदस्य उपस्थित थे।

जहाज में लगी आग को बुझाने का काम जारी, भारतीय तटरक्षक के आठ जहाज तैनात

नई दिल्ली/भाषा। केरल तट के पास सिंगापुर के ध्वज वाले मालवाहक जहाज में आग लगने की घटना के पांच दिन बाद, भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) के आठ जहाजों के साथ शनिवार को भी लगातार आग बुझाने का काम जारी रहा। एक कंटेनर में विस्फोट के बाद जहाज में आग लग गई थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि इसके अतिरिक्त, आईसीजी का एक गश्ती पोत ऑपरेशन को जारी रखने के लिए एक बचाव नौका में बीच समुद्र में ईंधन भर रहा है।

आईसीजी ने शुक्रवार को कहा कि उसने मालवाहक जहाज एमवी वान हाई 503 पर लगी आग को बुझाने के लिए ऑपरेशन में एक ''बड़ी उपलब्धि'' हासिल की है, जो नौ जून को एक कंटेनर में विस्फोट के बाद लगी थी, जब जहाज को तट से दूर रखने के लिए ले जाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी।

शनिवार को भी लगातार आग बुझाने का अभियान जारी रहा।

तटरक्षक के प्रवक्ता कमांडेंट अमित उनियाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''आईसीजी के आठ जहाज- सचेत, समर्थ, सक्षम, समुद्र प्रहरी, विक्रम, राजदूत, कस्तूरबा गांधी और अर्नवेश आग बुझाने के अभियान में हिस्सा ले रहे हैं।''

यह घटना भारतीय समयानुसार सुबह लगभग 9.20 बजे, केरल के कन्नूर जिले में अझिक्कल से लगभग 44 समुद्री मील दूर और कोच्चि से 130 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम में घटित हुई।

भारतीय नौसेना ने शनिवार को कुछ विवरण साझा किए, जिसे उसने एक दिन पहले जहाज पर बचाव दल के ''साहसिक कार्य'' के रूप में वर्णित किया।

नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा, ''त्वरित प्रतिक्रिया में बचाव दल के सदस्यों को कोच्चि स्थित आईएनएस गरुड़ पर एक हेलीकॉप्टर पर चढ़ाया गया। नौसेना के हेलीकॉप्टर ने चुनौतीपूर्ण मौसम और समुद्री परिस्थितियों तथा जहाज पर लगी आग के बीच सफलतापूर्वक दल को जहाज पर चढ़ाया।''

अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में भारतीय नौसेना के आईएनएस शारदा और ओएसवी एमवी ट्राइटन लिबर्टी भारतीय तटरक्षक बल और अन्य समुद्री एजेंसियों के साथ समन्वय में बचाव अभियान में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना द्वारा बचाव दल को तेजी से जहाज में प्रवेश कराने और निकालने से बचाव प्रयासों को काफी बल मिला है।

बचाव

भारतीय नौसेना के कर्मियों ने संकटग्रस्त कंटेनर पोत एमवी वान हाई 503 पर बचाव दल को हवाई मार्ग से उतारा, जो 9 जून से जल रहा है। आईएनएस गरुड़ से सीकिंग हेलीकॉप्टर का उपयोग करके संचालित यह ऑपरेशन 13 जून को चुनौतीपूर्ण समुद्री और मौसम की स्थिति में अंजाम दिया गया।

सहज स्मृति योग

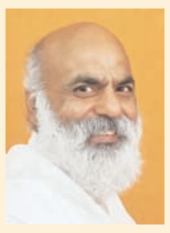

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, वर्तमान समय में देशों के बीच जो उत्तरोत्तर युद्ध जैसी स्थिति बनती जा रही है उसके पीछे मूल कारण क्या है ? क्या कॉर्पोरेट इंटरेस्ट्स या विभिन्न देशों का अपना-अपना आर्थिक लोभ-लालच या शासकों का राज-मद और अहंकार का टकराव इसका कारण है ? या, मज़हबी और रिलीजियस बिलीफ सिस्टम्स से उपजी आततायी मानसिकता ? या, कुछ और ?

उत्तर: युद्ध का बीज-कारण तो सदैव अज्ञान ही होता है जो अशांत हृदय में उपजता है। जितने मूल कारकों का कयास आपने लगाया है वे सभी अज्ञान के कारण ही तो व्यवहार में आते हैं और, युद्ध को अवश्यंभावी बना देते हैं । हृदय को शांत रखने का उपाय ध्यान, मनन, चिंतन की क्रिया-प्रक्रियाओं से होकर गुजरता है जिससे ऐसी जीवन शैली का विकास होता है और वो जीवन शैली जीवन को योगमय बनाती जाती है जिससे आत्मिक प्रसन्नता स्थायी होती जाती है। इसका निदान किसी एक देश की तानाशाही से सम्भव नहीं है। हरेक देश की प्राथमिक शिक्षा में रिलीज़न, मज़हब, संप्रदाय से जुड़ी सामग्री हटाकर केवल आध्यात्मिक सीख और गतिविधियां ही शामिल करनी चाहिएं। कालांतर में ऐसी शिक्षा से ही वैश्विक मानव का निर्माण होगा। मेरी दृष्टि में तो पूरे विश्व में जो व्यक्ति वर्तमान में निर्णायक पदों पर आसीन हैं उन सबकी शिक्षा का समान न होना ही इसका मूल कारण है ।

जीवन को दिव्य बनाने के लिए नियम आवश्यक हैं : ब्रह्माकुमारी तृप्ति

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के हुणसूर रोड स्थित ज्ञानसरोवर कायाकल्प केन्द्र में चल रहे पांच दिवसीय अखंड मौन, राजयोग ध्यान, व्यक्तित्व विकास एवं दिव्य जीवन कार्यशाला के समापन समारोह में सूरत मेट्रोपोलिटन ईश्वरीय विश्वविद्यालयों की मुख्य संयोजिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी तृप्ति ने कहा कि जो कोई भी अपने जीवन से प्रेम करता है, उसे नियमों को स्वीकार करना चाहिए। जीवन में जीने का मतलब है जीवन चक्र में नियमों और सिद्धांतों को स्वीकार करना। चाहे कुछ भी हो जाए, कुछ भी स्थायी नहीं है, आपको हमेशा खुश रहना चाहिए, जीवन के हर पल का आनंद लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यक्ति किसी को दोष नहीं देता बल्कि उसकी गलतियों को सुधारने का प्रयास करता है। इस मौके पर मैसूर उपमंडल मुख्य समन्वयक राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी लक्ष्मीजी ने कहा कि शिविर में प्राप्त ज्ञान, पवित्रता, शांति, प्रेम और करुणा व्यक्ति के मन और उसकी सभी शक्तियों को शांत, शीतल और निष्क्रिय बना देती है।

मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत चार नक्सली मारे गए

बालाघाट (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि शनिवार को बालाघाट जिले के एक वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत चार नक्सली मारे गए। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक ग्रेनेड लांचर, एक 'सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर)', दो '.315 बोर राइफल', अन्य हथियार और सामग्री भी बरामद की गयी है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राज्य ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने के अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है।'' उन्होंने कहा, ''एक पुरुष एवं तीन महिला सशस्त्र नक्सलियों को पचामादादर एवं कटेझिरिया के जंगल में हॉकफोर्स, जिला बल एवं सीआरपीएफ के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ में मार गिराया गया है। '

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 180 लोगों ने कराई आँखों की जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल परिसर में शनिवार को नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कोयंबटूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. समीक्षा मोदी, डॉ. कस्तूरी डाबले ने 180 लोगों की आँखों की जांच की तथा 55 लोगों को परामर्श के बाद ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र अस्पताल भेजा जाएगा। कानसिंह राजपुरोहित की स्मृति में महेंद्रसिंह राजपुरोहित परिवार की ओर से आयोजित इस शिविर में मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा और अपवर्तक आदि कमियों के लिए आँखों की जांच की गई। महेन्द्रसिंह राजपुरोहित परिवार सहित अनेक सदस्यों ने शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान की।

मायुमं बेंगलूरु ने किया अन्नदान, विमान दुर्घटना के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच(मायुमं) बेंगलूरु शाखा ने शनिवार को मासिक कार्यक्रम 'खुशियों की थाली' के अंतर्गत आंद्रेहल्ली स्थित मित्तल इन्फ्रा स्टील के सामने अन्नदान सेवा का कार्यक्रम किया।

इस मौके पर अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि दी। अशोक अग्रवाल और आशु मित्तल के सौजन्य से आयोजित इस अन्नदान कार्यक्रम में संयोजक रूपेश केडिया, सचिव सन्नी जैन, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल व गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल सहित पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, पंकज जालान, पवन राजलीवाल आदि सदस्यों ने श्रम सेवा की।

मलबा

अहमदाबाद में बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास मेस पर दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान 171 के मलबे को हटाने के प्रयास जारी हैं।

कांग्रेस 'फर्जी खबरों की फैक्टरी' बन गई है : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि विपक्षी पार्टी ''फर्जी खबरों की फैक्टरी'' बन गयी है।

सत्तारूढ़ दल ने कांग्रेस पर ऐसे वक्त निशाना साधा है जब विपक्षी दल ने गाजा में संघर्ष विराम के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश प्रस्ताव पर मतदान से भारत के दूर रहने को लेकर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोला था।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस पर इस मुद्दे पर ''अधूरा सच '' बताने का आरोप लगाया और कहा कि भारत का मतदान में अनुपस्थित रहना कोई रुख में बदलाव नहीं है, बल्कि ''पिछले मत'' की निरंतरता है। उन्होंने 'एक्स' पर कथित दस्तावेज का स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हुए लिखा, ''कांग्रेस को नाटकीय आक्रोश दिखाने से पहले, 12 जून को संयुक्त राष्ट्र में भारत के आधिकारिक वोट के स्पष्टीकरण को पढ़ने के लिए कुछ समय निकालना चाहिए।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस और उसका बौद्धिक रूप से बेईमान पारिस्थितिकी तंत्र फर्जी खबरों की फैक्टरी बनकर रह गया है।''

संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने स्पेन द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को भारी बहुमत से पारित कर दिया, जिसमें तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्धविराम की मांग की गई है। भारत उन 19 देशों में शामिल था जिन्होंने मतदान में भाग नहीं लिया, जबकि 12 देशों ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया, जबकि पक्ष में 149 मत पड़े।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि हमारी विदेश नीति चरमरा गई है। शायद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अब अपनी विदेश मंत्री की बार-बार की गई गलतियों पर फैसला लेना चाहिए और कुछ जवाबदेही तय करनी चाहिए।'' उन्होंने सवाल किया कि क्या पश्चिम एशिया में युद्धविराम, शांति और बातचीत की वकालत करने वाले भारत के लगातार रुख को छोड़ दिया गया है?

कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि भारत हमेशा शांति, न्याय और मानवीय सम्मान के लिए खड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय को स्पष्ट करना चाहिए कि पिछले छह महीनों में ऐसा क्या बदलाव आया जिसके कारण भारत ने युद्धविराम का समर्थन करना बंद कर दिया?

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के रुख पर निराशा व्यक्त करते हुए इसे देश की उपनिवेशवाद विरोधी विरासत के विपरीत कदम बताया।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस पर ''अधूरा सच'' बताने का आरोप लगाया और 'एक्स' पर लिखा, ''हमारा मतदान से दूर रहना कोई रुख में बदलाव नहीं है, बल्कि पिछले मतदानों (ए/आरईएस/77/247 और ए/आरईएस/79/232) की निरंतरता है, जो संवाद और कूटनीति में हमारे अटूट विश्वास पर आधारित है, जो आगे बढ़ने का एकमात्र स्थायी रास्ता है।'' उन्होंने कहा कि भारत ने गाजा में नागरिकों की जान जाने तथा गहराते मानवीय संकट की स्पष्ट रूप से निंदा की है तथा नागरिकों की सुरक्षा, मानवीय पहुंच तथा शेष बंधकों की रिहाई का आह्वान किया है।

भंडारी ने कहा कि भारत ने बातचीत के माध्यम से ''दो राष्ट्र समाधान'' के लिए समर्थन को दोहराया है, जिसमें फलस्तीन तथा इजराइल सुरक्षित, मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रहेंगे। उन्होंने कहा, ''भारत ने द्विपक्षीय स्तर पर और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से गाजा को लगातार मानवीय सहायता प्रदान की है।''

भाजपा ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश की भी आलोचना की तथा उन पर ''गलत जानकारी फैलाने'' तथा भारत की विदेश नीति पर ''आक्षेप लगाने'' का आरोप लगाया।

भाजपा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी निरंतर द्वेष से प्रेरित होकर जयराम रमेश ने गैर-जिम्मेदाराना तरीके से झूठे दावों को बढ़ावा दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को अमेरिकी परेड में आमंत्रित किया गया था।'' उन्होंने मुनीर को अमेरिकी निमंत्रण के बारे में मीडिया की खबर को फर्जी खबर बताया।

मालवीय ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री पर हमला करने की व्यग्रता में रमेश ने न केवल गलत सूचना फैलाई, बल्कि भारत की विदेश नीति पर भी संदेह व्यक्त किया, जो प्रभावी रूप से पाकिस्तान के हितों को पूरा करने वाले विमर्शों को प्रतिध्वनित कर रहा है।

भाजपा नेता ने कहा, ''कांग्रेस कब तक भारत की कूटनीतिक विश्वसनीयता के खिलाफ काम करती रहेगी? अब समय आ गया है कि वे ओछी राजनीति के बजाय राष्ट्र को चुनें।''

पांडिचेरी विश्वविद्यालय में भाषा प्रौद्योगिकी विषय में राष्ट्रीय कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पांडिचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय में भाषा प्रौद्योगिकी विषय में ऑन लाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में देश भर के हिंदी आचार्य, हिंदी प्रेमी, हिंदी चिंतक, राजभाषा अधिकारी, छात्र एवं शोधार्थी भाग ने भाग लिया।

इस कार्यशाला का मुख्य वक्ता और विषय विशेषज्ञ के रूप में डीआरडीओ के जाने माने शिक्षाविद, साहित्यकार, हिंदी विद्वान, ग्राफोलॉजिस्ट एवं एनएलपी प्रशिक्षक डॉ. रंजीत कुमार, अध्यक्ष हिंदी साहित्य परिषद कर्नाटक थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पांडिचेरी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सी. जय शंकर बाबु ने किया। कार्यशाला का संयोजन उमेश प्रजापति 'अलख' ने किया।

विशिष्ठ वक्ता डॉ रंजीत कुमार ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रौद्योगिकी के संदर्भ में हिंदी कौशल एवं रोजगार के अवसर एवं संभावनाएं पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति दी जो हिंदी अध्यापक और राजभाषा कार्मिक के लिए काफी रोचक एवं सूचनप्रद था। अपने प्रस्तुति के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी के युग में भाषा के विस्तार और प्रसार में भाषा प्रौद्योगिकी के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए रोजगार के लिए हिंदी कौशल की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर चर्चा की।

साथ ही हिंदी कौशल वाले छात्रों के लिए जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया, पुस्तक एवं पत्रिका प्रकाशन अनुवाद , फिल्म, धारावाहिक, दूरदर्शन रेडियो, विज्ञापन, वाणिज्य, पर्यटन, योग एवं चिकित्सा, कस्टमर केयर, बीपीओ, हिंदी सॉफ्टवेयर, हिंदी मोबाईल एप्प, हिंदी ई-टूल्स, हिंदी पाठ्य सामग्री निर्माण, हिंदी टीचिंग टूल्स के निर्माण, हिंदी पुस्तक एवं हिंदी पत्रिका का डिजाइन, हिंदी वेब डिजाइन, टूर ऑपरेटर, मॉल एवं व्यसायिक केंद्र में, विदेशी विश्व विद्यालय हेतु पाठ्यक्रम निर्माण इत्यादि क्षेत्रों में रोजगार और व्यवसाय के अपार अवसर हैं।

भारत में प्रत्येक वर्ष लगभग एक हजार हिंदी फिल्म का निर्माण होता है, देश भर में लगभग 4000 हिंदी दैनिक, मासिक एवं सप्ताहिक पत्रिकाओं का प्रकाशन होता हैं, 100 से अधिक समाचार हिंदी चैनल है जिसमें रोजगार के संभावनाएं बढ़ती जा रही है। इसके अलावा हिंदी शिक्षण एवं प्रशिक्षण, यू- ट्यूब, रील, मनोरंजन जगत, खेल जगत इत्यादि क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों आशातीत बढ़ोतरी हुई है।

कार्यशाला के अंत में कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ सी जय शंकर बाबू ने अध्यक्षीय उद्बोधन में भाषा कौशल सीखने में भाषा प्रौद्योगिकी के उपादेयता पर बल दिया और प्राध्यापकों और राजभाषा कार्मिकों को भाषा प्रौद्योगिकी का ज्ञान विषय पर सारगर्भित विचार दिए।

राज्य पीएमएवाई जैसी केंद्रीय योजनाओं में अधिक योगदान देता है : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि आवास योजना पीएमएवाई सहित केंद्र की पहल में राज्य सरकार का योगदान अधिक है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट को टैग करते हुए कहा कि भाजपा को अब शीशे के घर से पत्थर फेंकना बंद कर देना चाहिए।

स्टालिन ने कहा, केवल राज्य सरकार ही ऐसी योजनाओं के लिए अधिक धनराशि का योगदान करती है, जिनके स्टिकर पर प्रधानमंत्री का नाम और उनकी तस्वीर होती है – जैसे पीएमएवाई, पीएमएमएसवाई और जलजीवन।

वह इस मामले पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की कथित टिप्पणियों का परोक्ष जवाब दे रहे थे। धनराशि के मुद्दे पर मीडिया में छपी खबरों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, भाजपा सरकार को कम से कम अब तो शीशे के घर से पत्थर फेंकना बंद कर देना चाहिए।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने आरआईएस के साथ समझौता किया

चेन्नई। पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस), एक प्रमुख नीति अनुसंधान संस्थान और थिंक टैंक के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यूएमआईएसएआरसी सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड इंटरनेशनल स्टडीज के प्रोफेसर सुब्रमण्यम राजू द्वारा समन्वित यह साझेदारी अकादमिक-नीति संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। एमओयू पर औपचारिक रूप से 3 जून को नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल साउथ एंड ट्राइंगुलर कोऑपरेशन पर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए, जिसे विदेश मंत्रालय, आरआईएस, फोरम फॉर इंडियन डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन (एफआईडीसी) और दक्षिण - ग्लोबल साउथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

भारत की अध्यक्षता के दौरान जी20 पर देश भर के 101 विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर आरआईएस ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए थे। यूनिवर्सिटी कनेक्ट हब के तहत विश्वविद्यालयों के साथ अपने सहयोग को जारी रखते हुए, आरआईएस ने पांडिचेरी विश्वविद्यालय सहित 21 विश्वविद्यालयों को चुना था और उनके साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। आरआईएस यूनिवर्सिटी कनेक्ट हब के हिस्से के रूप में, यह सहयोग छात्रों और संकाय दोनों के लिए दिलचस्प अवसर खोलने के लिए तैयार है। समझौता ज्ञापन संयुक्त अनुसंधान, क्षमता निर्माण कार्यक्रम और वैश्विक आर्थिक विकास, दक्षिण-दक्षिण सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक नीति पर गहन नीति संवाद की सुविधा प्रदान करेगा। छात्रों को उच्च प्रभाव वाली नीति चर्चाओं और इंटर्नशिप से लाभ मिलेगा, जबकि संकाय सदस्य भारत के सबसे प्रतिष्ठित थिंक टैंकों में से एक के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान, नीति कार्यशालाओं और ज्ञान के आदान-प्रदान में संलग्न हो सकते हैं। यह गठबंधन अंतर्राष्ट्रीयकरण, अंतःविषयक शिक्षा और नीति-प्रासंगिक छात्रवृत्ति के लिए पांडिचेरी विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

चेन्नई में मेट्रो ट्रैक ढहने से बाइक सवार की मौत, जांच समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के मनापक्कम में लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) मुख्यालय के पास गुरुवार रात एक दुखद घटना घटी, जहां निर्माणाधीन मेट्रो रेल ट्रैक का एक हिस्सा ढह गया, जिसके परिणामस्वरूप नागरकोइल निवासी 43 वर्षीय मोटरसाइकिल चालक रमेश की मौत हो गई।

निर्माण संबंधी खामियों के कारण चेन्नई के मनपक्कम में गर्डरों के टूटने की घटना हुई। चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड ने कहा है कि दो गर्डर अप्रत्याशित रूप से गिर गए और इसके कारण का पता लगाने के लिए जांच की जाएगी। साथ ही, दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत की भी पुष्टि की गई है।

पुलिस और बचाव कर्मियों ने बीम मलबे तले दबे रमेश के शव को बड़ी मशक्कत से निकाला और पोस्टमार्टम के लिए क्रोमपेट सरकारी अस्पताल ले गए। चेन्नई मेट्रो रेल ने 'एक्स' पर लिखा, मनपक्कम में दो आई-गर्डर गिरने से हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद, जिसके परिणामस्वरूप नागरकोइल के रमेश (आयु 43) की मृत्यु हो गई, चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने शोक संतप्त परिवार को 5 लाख रुपये का तत्काल अनुग्रह मुआवजा प्रदान किया है।

इसके अलावा, ठेकेदार, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने परिवार को 20 लाख का मुआवजा दिया है। घटना की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की गई है।

गुरुवार रात करीब 9.45 बजे जब नागरकोइल निवासी 43 वर्षीय रमेश मनपक्कम से गुजर रहे थे, तो निर्माणाधीन फ्लाईओवर के गर्डर उनके ऊपर गिर गए। इस स्थान पर, कई सालों से डबल-डेकर कॉरिडोर का निर्माण चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह एक बहुत ही भयानक दुर्घटना थी, क्योंकि भारी कंक्रीट की बीम, जिसका वजन 50 से 100 टन के बीच था, उखड़कर व्यस्त पूनमल्ली-सेंट थॉमस माउंट रोड पर जा गिरी, जिससे अफरातफरी मच गई और कई घंटों तक ट्रैफिक जाम लगा रहा।

आग से प्रभावित सिंगापुर के जहाज को समुद्र तट से दूर ले जाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। सिंगापुर के ध्वज वाले मालवाहक जहाज में लगी आग बुझाने के लिए जारी अभियान के बीच शनिवार को जहाज को समुद्र तट से और दूर ले जाया गया। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस सप्ताह की शुरुआत में कोलंबो से मुंबई की ओर जाते समय केरल के तट के निकट जहाज में आग लग गई थी।

सूत्रों ने बताया कि जहाज एमवी वान हाई 503 को तट से 40 समुद्री मील दूर ले जाया गया है।

इससे पहले यह जहाज तट से 2% समुद्री मील दूर था। रक्षा वक्तव्य में कहा गया है, खींचने (टोइंग) का अभियान शुरू हो गया है। खराब मौसम के कारण जहाज को खींचने की गति 1.5 नॉट तक सीमित है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक रक्षा बयान में कहा गया, आईसीजी के जहाज सक्षम, समर्थ, विक्रम और नौसेना के जहाज शारदा, ओएसवी ट्राइटन लिबर्टी टोइंग जहाजों की सुरक्षा कर रहे हैं। जहाज को खींचने का काम टग ऑफशोर वॉरियर, गार्नेट और वॉटर लिली कर रहे हैं। बयान में कहा गया है, अग्निशमन अभियान जारी है। सिंगापुर के ध्वज वाले इस जहाज में रखे कंटेनर में विस्फोट होने से आग लग गई थी। बृहस्पतिवार को नौवहन महानिदेशालय ने कहा था कि आग पर 40% तक काबू पा लिया गया है। जहाज पर सवार चालक दल के 22 सदस्यों में से 18 को बचा लिया गया, जबकि चार लापता हैं।

नीलांबुर उपचुनाव : यूडीएफ नेताओं के वाहन की जांच को लेकर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। केरल की नीलांबुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए प्रचार के दौरान शुक्रवार देर रात संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के नेताओं की गाड़ी की जांच किये जाने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया। कांग्रेस सांसद शफी परम्बिल व पार्टी विधायक राहुल ममकूटाथिल सहित कई लोग वाहन में सवार थे। एक टीवी चैनल पर प्रसारित दृश्यों में कांग्रेस नेता वडापुरम के पास हुई घटना को लेकर निर्वाचन और पुलिस अधिकारियों से बहस करते नजर आए।

परम्बिल और ममकूटाथिल ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि वाहन की जांच करने के पीछे अधिकारियों का इरादा उनका 'अपमान' करने का था। कांग्रेस के दोनों नेताओं ने कहा कि भले ही वे इस 'अपमान' से नाराज हैं लेकिन वे शिकायत दर्ज नहीं कराएंगे क्योंकि उन्हें प्रचार अभियान के दौरान इस मुद्दे को राजनीतिक चर्चा का विषय बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। दूसरी ओर, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने दलील दी कि कांग्रेस नीत यूडीएफ एक ऐसी व्यवस्था पर अनावश्यक विवाद पैदा कर रही है, जो चुनाव प्रक्रिया के दौरान सामान्य है। परम्बिल ने शुक्रवार रात की घटना के बारे में कहा कि वह, ममकूटाथिल और कुछ अन्य लोग खाना खाकर वापस आ रहे थे कि तभी पुलिस ने उनकी गाड़ी रोक ली और बाहर निकलने को कहा। उन्होंने कहा, मैंने गाड़ी रोकी और बाहर निकल गया। उन्होंने मुझे डिक्की खोलने को कहा और मैंने वैसा ही किया। उन्होंने मुझे सूटकेस व अन्य सामान बाहर निकालने को कहा और मैंने वैसा ही किया। फिर उन्होंने बस इतना कहा कि सब कुछ ठीक है और हम जा सकते हैं।

परम्बिल ने कहा, हमने उस समय जोर दिया कि वे सूटकेस की जांच करें और उसका वीडियो रिकॉर्ड करें तथा अगर उसमें कुछ मिला तो जवाब भी दें। हमने जोर दिया, क्योंकि हम समझ गए थे कि जांच के पीछे की मंशा जांच नहीं, बल्कि हमारा अपमान करना था। कांग्रेस के दोनों नेताओं ने दलील दी कि उन्होंने हर तरह से जांच में सहयोग किया लेकिन जब अधिकारियों ने वाहन से बाहर निकाले जाने के बाद सूटकेस की जांच नहीं की, तो उन्होंने जोर दिया कि इसे खोलकर जांच की जाए।

एक महान भारत के निर्माण के लिए हाथ मिलाएं : गहलोत

मंड्या विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में राज्यपाल का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा, एक एकीकृत, महान और विकसित भारत के लिए, छात्रों को 'मेक इन इंडिया' और 'मेड इन इंडिया' के लक्ष्यों में योगदान देना चाहिए और हमारे राष्ट्र को वास्तव में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। वे मंड्या विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। स्नातक करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, यह आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर, मैं सभी छात्रों को हार्दिक बधाई देता हूँ और आपकी यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संकाय, प्रशासनिक कर्मचारियों और अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

राज्यपाल ने व्यक्ति के भविष्य को आकार देने में शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। शिक्षा कौशल को निखारती है और व्यक्तियों को उनके चुने हुए क्षेत्रों में सशक्त बनाती है। यह एक ऐसी संपत्ति है जिसे चुराया नहीं जा सकता और इसे जीवन भर हासिल करना चाहिए। ज्ञान और निरंतर सीखना आपकी सफलता की कुंजी होगी। वैश्विक चिंताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण प्रदूषण जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। हम सभी को इन वैश्विक मुद्दों से निपटने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और सेवा की भावना के साथ समाज के कल्याण के लिए खुद को समर्पित करना चाहिए।

भारत की समृद्ध विरासत पर विचार करते हुए उन्होंने कहा, प्राचीन काल में भारत ज्ञान, विज्ञान, आध्यात्मिकता और आर्थिक समृद्धि का केंद्र था। भारतीय विद्वानों ने खगोल विज्ञान, भूविज्ञान, गणित और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में बहुत योगदान दिया। शून्य और दशमलव प्रणाली की अवधारणाएं भारतीय गणितज्ञों के कई अमूल्य योगदानों में से हैं। आधुनिक युग में अनुकूलनशीलता की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने छात्रों से उभरते क्षेत्रों के साथ अपडेट रहने का आग्रह किया। दुनिया तेजी से विकसित हो रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, सतत विकास और उद्यमिता जैसे क्षेत्र हमारे जीवन को नया आकार दे रहे हैं। सूचित रहें और नवाचार को अपनाने के लिए तैयार रहें।

दीक्षांत समारोह में एनएसएचएम नॉलेज कैंपस, कोलकाता के निदेशक प्रोफेसर सौमेंद्रनाथ बंद्योपाध्याय, मंड्या विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर के शिवचितप्पा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कल्याण कर्नाटक प्रगति की राह पर है : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

यादगिर। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कल्याण कर्नाटक को प्रगति की राह पर लाने में कांग्रेस सरकार के विधायकों, सांसदों और मंत्रियों के योगदान की सराहना की। आरोग्य आविष्कार योजना के तहत विभिन्न कार्यों की आधारशिला रखने के बाद उन्होंने कहा, सत्ता अस्थायी होती है, लेकिन उपलब्धियां स्थायी होती हैं। इसलिए हम अपने संरक्षकों का आभार जताने यहां आए हैं। क्षेत्र के लोगों ने मल्लिकार्जुन खरगे और सिद्दरामय्या के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार चुनकर देश को बड़ा संदेश दिया है।

उन्होंने कहा, हमने सत्ता संभालने के पांच दिनों के भीतर पांच गारंटियों को मंजूरी दे दी है। कल्याण कर्नाटक के कांग्रेस नेता- प्रियंका खरगे, अजय सिंह, दर्शनपुर, दिनेश गुंडूराव, राधाकृष्ण, बीवी नाइक और जिले के विधायक क्षेत्र को समृद्धि की ओर ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार कल्याण कर्नाटक का विकास करके प्रगति का संदेश दे रही है। हमारी सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, ग्रामीण विकास, रोजगार आदि के क्षेत्र में विकास कार्य कर रही है। हमने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में 416 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों की आधारशिला रखी है। हमारी सरकार ने कल्याण कर्नाटक में बेंगलूरु के बाद सबसे उन्नत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली विकसित की है। केंद्रीय श्रम मंत्री रहते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने इस क्षेत्र के लिए बहुत कुछ किया है। मल्लिकार्जुन खरगे, मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने इस क्षेत्र को 371 जे का विशेष दर्जा दिया है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि कल्याण कर्नाटक के जिले अन्य जिलों की तुलना में अधिक प्रगतिशील हैं। पिछड़े वर्गों और शोषित वर्गों को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए मल्लिकार्जुन खरगे आगे आए हैं।

केरल में व्यापक बारिश, पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के विभिन्न जिलों में शनिवार को मूसलाधार बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं, जिससे कई स्थानों पर पेड़ उखड़ने और मकानों को नुकसान पहुंचने की घटनाएं हुईं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कल रात से कई स्थानों पर लगातार बारिश के कारण उत्तरी जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में पेड़ गिरने की खबरें मिली हैं। यहां के तटीय गांव पेरुमाथुरा में एक मकान क्षतिग्रस्त हो गया, जब तेज हवाओं के कारण उसकी टिन की छत उड़ गई। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को राज्य के पांच जिलों (कासरगोड, कन्नूर, वायनाड, कोझीकोड और मलप्पुरम) में अत्यधिक भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया और वहां रेड अलर्ट जारी किया।

आईएमडी की तरफ से जारी अद्यतन जानकारी के अनुसार, पलक्कड़, एर्नाकुलम, त्रिशूर, इडुक्की, कोट्टायम और पथनमथिट्टा जिलों को ऑरेंज अलर्ट के तहत रखा गया है, जबकि तिरुवनंतपुरम, कोल्लम और अलपुझा में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

उल्लाल में 12वीं मंजिल से गिरकर किशोरी की मौत

मंगलूरु। मंगलूरु में 15 वर्षीय एक लड़की की आवासीय इमारत की 12वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना बृहस्पतिवार रात उल्लाल थाना क्षेत्र के कुथार की है। उसने बताया कि सोसाइटी की 12वीं पर स्थित फ्लैट में रहने वाली हिबा (15) बालकनी से गिर गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि वह कैसे गिरी, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है और मामले की जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
Sri Aurobindo Marg, NEW DELHI - 110016. www.ncert.nic.in

एनसीईआरटी प्रकाशनों हेतु
भारत के विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदशों एवं विदेशों में विक्रेताओं के पैनल का गठन

एनसीईआरटी अपने प्रकाशनों, विशेष रुप से विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों के वितरकण हेतु सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में पैनल में शामिल विक्रेताओं की संख्या को वर्ष2025 एवं आगे के लिए बढाना चाहती है। प्रतिष्ठित स्टाकिस्ट/थोक विक्रेता जिन्हें पुस्तकों के वितरण का अनुभव हो, जिनकी वित्तीय स्थिति सुदृढ हो, जो वार्षिक बिक्री लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता रखते हों और आवेदन पत्र में उल्लेखित अन्य शर्तो को पूरा करते हों वे आवेदन कर सकते हैं। वे विद्यालय संगठन/संघ भी आवेदन कर सकते हैं जो अपने छात्रों के लिए सीधे एनसीईआरटी से पाठ्यपुस्तकें प्राप्त करना चाहते हें। आवेदन पत्र और संबंधित दस्तावेज एऩसीईआरटी की वेबसाइट www.ncert.nic.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। **वर्तम्न में पैनल में शामिल विक्रेताओं को आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।** पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र तथा आवश्यक दस्तावेजों को पीडीएफ प्रारुप में ncert.hpd@gmail.com पर इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर ईमेल के माध्यम से भेजा जाना चाहिए।
CBC 21104/12/0001/2526

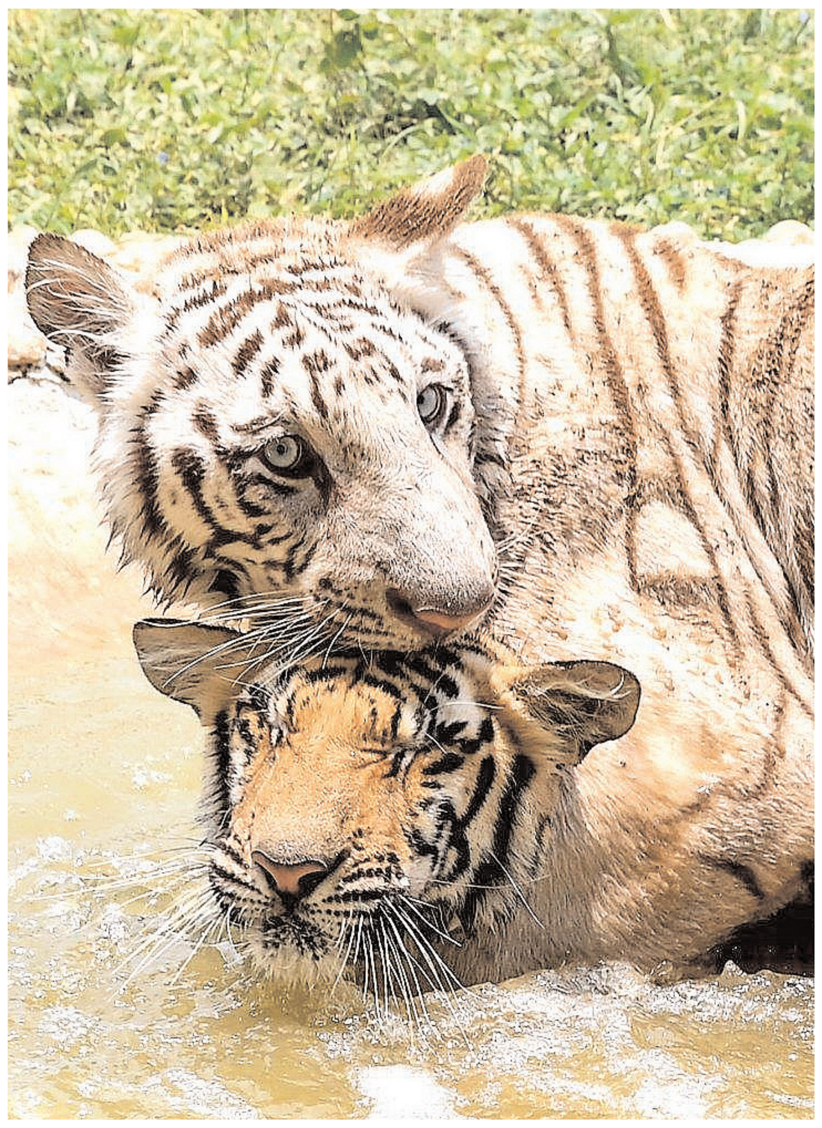

जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान में तापमान बढ़ने के कारण बाघ शावक पानी में डुबकी लगाते हुए।

राजस्थान में जल से किसान समृद्धि लाने के लिए संकल्पित राज्य सरकार : सुरेश सिंह रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने राज्य सरकार को जल से किसान समृद्धि लाने के लिए संकल्पित बताते हुए कहा है कि वह निंरतर कृषक कल्याण के निर्णयों से किसानों के घरों में खुशहाली लाने का काम कर रही है और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चूरू जिले के तारानगर क्षेत्र में डीपीआर बनाने के लिए तीन करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है, जिस पर काम चल रहा है तथा अंचल में जल से समृद्धि लाने के लिए प्रयास किये जा रहे है।

रावत ने शनिवार को तारानगर दौरे के दौरान तारानगर मुख्यालय पर 'वंदे गंगा – जल संरक्षण जन अभियान' के तहत विभिन्न जल परियोजनाओं के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया तथा इंदिरा गांधी नहर परियोजना कार्यालय में आयोजित किसान सम्मेलन में शिरकत कर किसानों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के हर वर्ग– हर क्षेत्र– हर नागरिक के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण

प्रदेश में चल रहे 'वंदे गंगा– जल संरक्षण जन अभियान' तहत तारानगर क्षेत्र में विभिन्न जल परियोजना का शिलान्यास एवं लोकार्पण से अंचल के किसान समृद्ध होंगे। इससे अंचल के लोगों को कृषि एवं पेयजल कार्यों में बहुत संबल मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'वंदे गंगा– जल संरक्षण जन अभियान के तहत बड़ी संख्या में वृक्षारोपण करें तथा जल संरचनाओं के विकास के साथ पारंपरिक जल स्रोतों को सहेंजे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण निर्णय से आरसीपी परियोजना के तहत 17 जिलों को पानी मिलेगा। हमारी सरकार अंतिम छोर के व्यक्ति के कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने इस दौरान इंदिरा गांधी नहर परियोजना कार्यालय में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस मौके पद्म भूषण देवेंद्र झाझड़िया ने कहा कि हमारा सपना है कि किसान को पानी कैसे मिले और उसके कृषि एवं दैनिक कार्यों में समृद्धि कैसे आए। हम पानी से जीवन बचा सकते हैं। केंद्र सरकार ने कृषि बजट को एक लाख 27 हजार करोड़ रुपए किया है जो कृषक हित में अभूतर्पूव है। हर घर– हर खेत में पानी पहुंचाने के संकल्प के साथ केंद्र एवं प्रदेश सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

बुनियादी सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को जोधपुर सर्किट हाउस में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान एवं कल्याण के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार लक्ष्य अंत्योदय के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। पटेल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं एवं परिवेदनाओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनसेवा की भावना से कार्य करते हुए पारदर्शिता, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करें। किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि शिकायतों के समाधान में लापरवाही या उदासीनता सुशासन की अवधारणा को कमजोर करती है। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक अधिकारी अपने स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें और नागरिकों को राहत पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। पटेल ने कहा कि अधिकारी निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, इससे आमजन में शासन की छवि सुदृढ़ होती है और जनता का विश्वास प्रशासन पर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल आदेशपालक न बनें, बल्कि शासन की नीति और मंशा के अनुरूप सक्रिय भागीदारी निभाएं। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ निरंतर संवाद रखें ताकि स्थानीय समस्याओं का त्वरित एवं युक्तियुक्त समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

पटेल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं है, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई जैसी व्यवस्थाएं लोकतंत्र की नींव को मजबूत करती हैं और नागरिकों को सशक्त बनाती है। पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल, सड़क, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति जैसी बुनियादी सेवाएं प्रत्येक नागरिक का मूलभूत अधिकार हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि इन सेवाओं की नियमित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जनसुनवाई के दौरान उच्च शिक्षा, पंचायतीराज, राजस्व, डिस्कॉम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सार्वजनिक निर्माण विभाग, स्वायत्त शासन विभाग, जोधपुर विकास प्राधिकरण तथा जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित सैकड़ों परिवाद प्राप्त हुए। पटेल ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक परिवाद को गंभीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली और कहा कि प्रत्येक शिकायत का संतोषजनक एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें।

व्यापारी के अपहरण करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र में गत छह जून को एक व्यापारी के अपहरण करने के मामले में पुलिस ने तीन अरोपियों को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डॉ प्रियंका रघुवंशी ने शनिवार को बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि कारोठ गांव के ठेकड़ा वाले हनुमान मंदिर के समीप गत छह जून को व्यापारी नवीन कुमार का कुछ युवकों ने अपहरण कर लिया और उनके परिजनों से रुपयों की मांग की। इसके बाद फ़ोन पे से लेन–देन भी हुआ।उन्होंने बताया कि इस सूचना पर राजगढ़ थानाधिकारी राजेश मीना के नेतृत्व में पुलिस दलों ने अपहरणकर्ताओं की तलाश शुरु कर दी। पुलिस के बढ़ते दबाव में आरोपी व्यापारी को भरतपुर क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गये। पुलिस ने व्यापारी नवीन कुमार को सकुशल बरामद कर लिया था। उन्होंने व्यापारी से सोने की अंगूठी और नगदी लूट ली थी।डॉ रघुवंशी ने बताया कि इसके बाद पुलिस ने तकनीकी एवं सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की पहचान की और तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि तीनों युवकों की उम्र करीब 20 से 25 वर्ष है और तीनों अलवर के हैं। तीनों आरोपियों में से दो के खिलाफ लूट एवं डकैती के कई मामले दर्ज हैं। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राज्य सरकार भीषण गर्मी में सुनिश्चित करें आवश्यक इंतजाम : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार को भीषण गर्मी के चलते हर तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने चाहिए। गहलोत ने शनिवार को अपने बयान में कहा कि इस भीषण गर्मी में स्वयं का बचाव ही सबसे अच्छा उपचार है। पिछले चार दिन में केवल सवाई मान सिंह अस्पताल में ही लू के 1900 से अधिक मरीज आ गए हैं। बाकी जिलों में भी कमोबेश यही स्थिति है। उन्होंने कहा कि मीडिया के मुताबिक अस्पताल में बेड तक कम पड़ रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि भीषण गर्मी के इस दौर में अपनी सेहत का ख्याल रखें तथा दोपहर में आवश्यक कार्य होने पर ही बाहर निकलें। जल पीते रहें तथा बेजुबान पशु पक्षियों का भी ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को भी हर तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने चाहिए।

पूर्व सांसद के बेटे ने कथित तौर पर आत्महत्या की : पुलिस

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर में एक पूर्व सांसद के बेटे ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार सलूंबर से भाजपा के सांसद रहे महावीर भगोरा के बेटे आशीष भगोरा अंबा माता क्षेत्र में लाइब्रेरी चलाते थे और कुछ समय से लाइब्रेरी के एक कमरे में रह रहे थे। शनिवार सुबह वह अपने कमरे में मृत पाए गए। पुलिस ने कहा, प्रथमदृष्टया, उन्होंने कल रात फांसी लगा ली। बाद में शव जमीन पर गिर गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में ले जाया गया है। महावीर भगोरा की 2021 में कोरोना संक्रमण के कारण मृत्यु हो गई थी। आशीष भगोरा की आत्महत्या का मामला तब सामने आया जब कुछ छात्र लाइब्रेरी पहुंचे और उन्हें आवाज दी। कोई जवाब नहीं आने पर वे किसी तरह कमरे में दाखिल हुए, तब उन्होंने उन्हें मृत पाया। पुलिस ने कहा कि आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जा रही है।

प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव बढ़ाने पर राजस्थान सरकार का विशेष जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में प्रवासी राजस्थानियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्थान सरकार देश–विदेश में बसे प्रवासियों से संवाद और सहयोग को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की जा रही हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को राजस्थान फाउंडेशन के नवस्थापित असम (गुवाहाटी) चैप्टर द्वारा प्रवासी राजस्थानी संवाद कार्यक्रम का आयोजन गुवाहाटी में किया गया।

आयोजन में बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानियों और लघु उद्योग भारती के प्रवासी राजस्थानी सदस्यों ने भाग लिया और प्रदेश से अपने भावनात्मक व सांस्कृतिक जुड़ाव को साझा किया। राजस्थान फाउंडेशन असम (गुवाहाटी) चैप्टर के नवनियुक्त अध्यक्ष रतन शर्मा ने माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान का आभार व्यक्त करते हुए चैप्टर के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रवासी राजस्थानियों को संगठित करने का संकल्प लिया और राजस्थान के आर्थिक व सामाजिक विकास हेतु पूर्वोत्तर के प्रवासियों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए आश्वस्त किया।

इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा ने अपने संबोधन में सरकार द्वारा प्रवासी राजस्थानियों के हित में किए जा रहे नवाचारों और योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रवासियों की भागीदारी को सशक्त बनाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए माननीय मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं जैसे प्रवासियों के लिए एक नया विभाग बनाना, आगामी 10 दिसंबर, 2025 को जयपुर में प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन, प्रवासी राजस्थानी सम्मान अवॉर्ड की शुरुआत और प्रत्येक जिले में प्रवासियों के मुद्दों हेतु नोडल अधिकारियों की नियुक्ति जैसी महत्वपूर्ण पहलों की जानकारी साझा की। डॉ. अरोड़ा ने 'राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 की विशेषताओं पर प्रकाश डाला तथा विभिन्न विभागों की जन सहभागिता योजनाओं की जानकारी भी साझा की, जिनके माध्यम से प्रवासी अपने गांव और जिलों में भामाशाह की भूमिका निभाते हुए परोपकारी कार्यों में योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर प्रवासी समुदाय के कई सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए राजस्थान के विकास में भागीदारी की रुचि जताई।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के खराड़ी ने दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने निर्देश दिए कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। अधिकारी फील्ड में जाकर कार्यों का अवलोकन करें। खराड़ी ने शनिवार को प्रतापगढ़ जिले में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की क्रियान्विति को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के पम्फलेट का विमोचन किया गया और जल संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।

जनजाति विकास मंत्री ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि अभियान के तहत हर गतिविधि में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करें। अभियान में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दें। जानकारी सिर्फ औपचारिक नहीं हो और यह सरल शब्दों में साझा की जाए।

जिला परिषद सीईओ पर्वत सिंह चुंडावत ने अभियान के तहत अब तक किए कार्यों से पीपीटी के माध्यम से मंत्री खराड़ी को अवगत करवाया और भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। खराड़ी ने कहा कि जनजाति समुदाय के समग्र कल्याण के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है और हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना अति आवश्यक है। उन्होंने राजीविका डीपीएम को निर्देशित किया कि अभियान में राजीविका समूह की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही, शिक्षा विभाग बच्चों को पर्यावरण, जल संरक्षण एवं पौधारोपण की महत्ता समझाएं ताकि वे भावी पीढ़ी को एक सुरक्षित वातावरण दे सकें।

वृक्षारोपण कर आमजन को प्रेरित करें : विजय सिंह

जयपुर। राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण राज्य मंत्री विजय सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को सीकर के जिला कलेक्ट्रेट सभागार में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जिले के उद्यमियों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजस्व राज्य मंत्री ने उद्यमियों को भावी पीढी के लिए जल संरक्षण की महत्ता बताई। उन्होंने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के क्रियान्वयन की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक ली और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आगामी मानसून से पूर्व प्राचीन कुएं, बावड़ी, तालाब और जल स्रोतों की साफसफाई कर जल संरक्षण के लिए तैयारी रखने के दिशानिर्देश दिए। इसके साथ ही राज्य सरकार के हरियालो राजस्थान अभियान के तहत जिले में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और आमजन को इसके लिए जागरूक करने की भी बात कही।

मानसून से पहले हो नालों की सफाई : कुमावत

जयपुर/सुमेरपुर । प्रदेश के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत ने सुमेरपुर नगरपालिका के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में नगरपालिका के कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान मंत्री ने नगरपालिका के सफाई निरीक्षकों को प्रतिदिन वार्डों का दौरा करने के निर्देश दिए। पालिका क्षेत्र में निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एवं आकांक्षात्मक शौचालय, अमृत मिशन 2.0 के कार्यों में तेजी लाने के आदेश दिए। इसके अलावा मंत्री जोराराम कुमावत ने अधिकारियों से सफाई व्यवस्था, बिजली, खाद्य सुरक्षा, पेयजल संबंधी अनेक बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने विभागीय फाइलों के निस्तारण की जानकारी ली। मंत्री ने अधिकारियों को ऑनलाइन फाइलों का निस्तारण समय पर किए जाने की हिदायत दी। साथ ही कुमावत ने कहा कि आवासीय व कमर्शियल पट्टों संबंधी फाइलों को भी लंबित नहीं रखा जाए और समय अवधि के भीतर निस्तारित करें। इस बार मानसून जल्दी आने की संभावना है इसलिए नालों की सफाई पूरी तरह से की जाए। नालों की सफाई के दौरान रास्तों पर पानी नहीं भरना चाहिए और नालों की सफाई फर्श तक की जाए जिससे बारिश के समय में नाले ऑवरफ्लो ना हो। सफाई के साथ साथ जो कचरा निकाला जाए वो साथ–साथ उठाया जाए ताकि वह वापस नाले में ना गिरे। कुमावत ने कहा कि नालों पर जिन लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है जिससे नाला सफाई में बाधा उत्पन्न हो रही है पालिका नालों पर बने अतिक्रमण पर कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाए। मंत्री ने आमजन से भी अपील की कि जिस व्यक्ति ने अतिक्रमण कर रखा है या तो वें स्वयं हटा लें, नहीं जो नुकसान होगा उसकी जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। वहीं, कुमावत ने सुमेरपुर नगरपालिका क्षेत्र की सड़कों की रोड लाइटों को दुरुस्त करने के लिए अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता से करने के लिए कहा ताकि आमजन को रात के समय परेशानी का सामना न करना पड़े। मंत्री ने मानसून से पहले ही शहर की सड़कों के पेचवर्क का कार्य पूरा करने के आदेश दिए। जोराराम कुमावत सहित समस्त अधिकारियों–कर्मचारियों ने अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ अभियान में मिल रही बड़ी सफलता: मुख्यमंत्री सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को कहा कि राज्य और इसके सीमावर्ती क्षेत्रों में नक्सलियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाए जा रहे हैं, जिसमें महत्वपूर्ण सफलताएं मिल रही है।

सोरेन और राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार सुबह ओडिशा-झारखंड सीमा पर नक्सल रोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में जान गंवाने वाले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 134वीं बटालियन के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) सत्यभान कुमार सिंह (34) के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

रांची में सीआरपीएफ की 133 बटालियन के मुख्यालय में दिवंगत जवान को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

सोरेन ने पत्रकारों से कहा, यह घटना बेहद दुखद है। हम इस दुख की घड़ी में जवान के परिवार के साथ हैं।

उन्होंने कहा, पिछले कई वर्षों से झारखंड और इसके सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अभियान चलाए गए हैं और महत्वपूर्ण सफलताएं भी मिली हैं।

अयोध्या में राम दरबार जनता के लिए खोला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर की पहली मंजिल पर स्थापित राम दरबार शनिवार को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मंदिर न्यास द्वारा शुक्रवार देर शाम को इस संबंध में निर्णय लिए जाने के बाद शनिवार से राम मंदिर में आने वाले भक्त राम दरबार में प्रवेश कर सकेंगे।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सदस्य अनिल मिश्रा ने कहा कि चूंकि फैसला देर शाम को लिया गया था इसलिए शनिवार को दर्शन के लिए केवल दो पाली- शाम पांच से सात बजे और शाम सात से नौ बजे तक के लिए सीमित संख्या में पास की व्यवस्था की गई है। मिश्रा ने कहा कि स्थानीय प्रशासन के साथ बैठक के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय ने भक्तों को दरबार में जाने की अनुमति दी। उन्होंने बताया कि राम लला के दर्शन के लिए दिए जाने वाले पास की तरह, राम दरबार में जाने के इच्छुक लोगों के लिए भी पास उपलब्ध कराए जाएंगे।

भगवान राम के शाही स्वरूप राम दरबार और राम जन्मभूमि परिसर के अंदर आठ नवनिर्मित मंदिरों में प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा पांच जून को हुई।

अनिल मिश्रा ने कहा कि राम लला के दर्शन की व्यवस्था की

तरह ही राम दरबार के लिए भी प्रत्येक पाली सुबह सात से नौ बजे, नौ से 11 बजे, दोपहर एक से तीन बजे, तीन से पांच बजे, पांच से सात बजे और सात से नौ बजे तक के लिए 300 पास उपलब्ध होंगे।

जिला प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट दोनों को 150-150 पास दिए गए हैं। इनमें से 100 पास विशेष दर्शन के लिए हैं और 50 सुगम दर्शन के लिए हैं।

भगवान राम की प्रतिमा के साथ-साथ राम दरबार में सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान की प्रतिमाएं भी हैं।

मंदिर ट्रस्ट के अनुसार जिन देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं उनमें उत्तर-पूर्व कोने में भगवान शिव, दक्षिण-पूर्व कोने में भगवान गणेश, दक्षिणी विंग में भगवान हनुमान, दक्षिण-पश्चिम कोने में सूर्य, उत्तर-पश्चिम कोने में भगवती और उत्तरी विंग में अन्नपूर्णा की प्रतिमाएं शामिल हैं।

पारंपरिक नागर शैली में निर्मित मंदिर 360 फुट लंबा, 235 फुट चौड़ा और 161 फुट ऊंचा है। 2.77 एकड़ में फैले तीन मंजिला मंदिर में 392 नक्काशीदार स्तंभ, 44 दरवाजे और हिंदू देवताओं की आकृतियां उकेरी गई हैं।

झारखंड सरकार बिना अध्ययन और शोध के बना रही नीतियां : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भाजपा की झारखंड इकाई के प्रवक्ता और पूर्व विधायक अमित कुमार मंडल ने शनिवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार बिना उचित अध्ययन और शोध के नीतियां बना रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटीईटी) के नियमों के मसौदे में कई विसंगतियां हैं, विशेष रूप से विशिष्ट जिलों के लिए निर्धारित क्षेत्रीय और आदिवासी भाषाओं की सूची में।

मंडल ने संवाददाताओं से कहा, खूंटी में, मुंडारी स्थानीय बोली है, लेकिन उसे जिले की सूची में शामिल नहीं किया गया है। इसी तरह गढ़वा और पलामू में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा भोजपुरी है, जिसे सूची से हटा दिया गया है, जबकि नागपुरी और कुड़ुख जैसी भाषाएं, जो सीमित क्षेत्रों में बोली जाती हैं, उन्हें सूची में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि गोड्डा और देवघर जिलों में अंगिका व्यापक रूप से बोली जाती है, लेकिन उसे भी सूची में शामिल नहीं किया गया है। गोड्डा जिले में बोली जाने वाली एक अन्य प्रमुख भाषा कुर्माली को भी सूची से बाहर रखा गया है। मंडल ने सवाल किया, मैं जानना चाहता हूं कि सरकार ने प्रत्येक जिले के लिए भाषाएं चुनने का क्या मापदंड अपनाया है? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर भाषा विवाद को हवा देने की कोशिश कर रही है।

मंडल ने कहा, राज्य की अर्थव्यवस्था 'मंईयां सम्मान योजना' पर भारी खर्च के चलते चरमराई हुई है। सरकार को अपने कर्मचारियों को वेतन देने और विकास योजनाओं को वित्तपोषित करने में मुश्किल होगी। युवाओं को रोजगार देने में असफल रही सरकार इस तरह के विवादास्पद मसौदे सामने ला रही है। सरकार ने हाल ही में जेटीईटी नियमों का मसौदा जारी कर जनता से सुझाव मांगे हैं।

इस पर विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह मसौदा नियम केवल प्रारंभिक कदम है।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने 300 से अधिक राइफल, गोला-बारूद बरामद किए

इंफाल/भाषा। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने इंफाल घाटी के पांच जिलों से 300 से अधिक राइफल समेत बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात खुफिया सूचना पर आधारित एक समन्वित अभियान के दौरान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और सेना की संयुक्त टीमों ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए।

अधिकारी ने कहा कि जब्त की गई वस्तुओं में 151 एसएलआर, 65 इंसास राइफल, 73 अन्य राइफल, पांच कार्बाइन, दो एमपी5 बंदूक, 12 हल्की मशीन गन, एके सीरीज की छह राइफल, दो अमोघ राइफल, एक मोर्टार, छह पिस्तौल, एक एआर-15 और दो फ्लेयर बंदूक शामिल हैं। घाटी के विभिन्न जिलों - इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और थौबल में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद छिपाए जाने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद एक संयुक्त अभियान शुरू किया, जिससे बड़ी मात्रा में बरामदगी हुई। यह अभियान सामान्य स्थिति बहाल करने, लोक व्यवस्था बनाए रखने और जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में लोगों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों में सुरक्षा बलों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

योग अब वैश्विक जन आंदोलन, इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है : आयुष मंत्री जाधव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निरंतर प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में योग व्यक्तिगत स्वास्थ्य दिनचर्या से वैश्विक जन आंदोलन में तब्दील हो गया है और अब 170 से अधिक देशों में इसे उत्साह के साथ अपनाया जा रहा है।

जाधव ने 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' से पहले 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में योग को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री को दिया। उन्होंने कहा, ''योग को वैश्विक स्तर पर व्यापक रूप से अपनाए जाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया जा सकता है, जिन्होंने न केवल 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के विचार का प्रस्ताव रखा, बल्कि सर्वसम्मति से इसके लिये समर्थन प्राप्त करने के वास्ते व्यक्तिगत रूप से वैश्विक नेताओं से संपर्क भी किया।'' जाधव ने कहा कि इस प्रस्ताव को 177 देशों ने सह-प्रायोजित किया तथा इसे रिकॉर्ड 75 दिनों के भीतर अंगीकार किया गया, जिससे यह संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में सबसे तेजी से पारित प्रस्तावों में से एक बन गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने कहा कि तब से योग एक सांस्कृतिक सेतु के रूप में उभरा है, जो विभिन्न महाद्वीपों के लोगों को जोड़ता है तथा 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' का वार्षिक आयोजन एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर प्रशांत महासागर के सुदूर द्वीपों तक, स्वास्थ्य और सद्भाव के उत्सव के रूप में अब योग के लिए चटाई बिछाई जा रही है। जाधव ने कहा कि योग की वैश्विक पहुंच सिर्फ औपचारिक नहीं है, बल्कि यह ठोस भी है तथा दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों, आरोग्य कार्यक्रमों और स्कूल पाठ्यक्रमों में इसका एकीकरण बढ़ रहा है। जाधव ने कहा, ''एमडी और सर्जन सहित प्रमुख चिकित्सा पेशेवर अब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य में सुधार और रोग-निवारक तथा रोग-पश्चात दोनों ही स्थितियों में सुधार के लिए योग की सलाह देते हैं। इस बढ़ती स्वीकार्यता ने योग को एकीकृत स्वास्थ्य सेवा में एक पूरक साधन के रूप में स्थापित कर दिया है।'' उन्होंने बताया कि भारत में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं, जिसमें 100 दिवसीय काउन्टडाउन कार्यक्रम भी शामिल है, जिसके तहत दिल्ली, भुवनेश्वर, नासिक और पुडुचेरी में हर 25 दिन पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अयोध्या की सुरक्षा-व्यवस्था को और पुख्ता बनाने के लिए लगाये जायेंगे 1000 सीसीटीवी कैमरे

अयोध्या/भाषा। भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या की सुरक्षा-व्यवस्था को और पुख्ता बनाने के लिए एक हज़ार सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी।

बयान में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में रामनगरी अयोध्या को स्मार्ट और सुरक्षित शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अयोध्या नगर निगम ने सरकार की 'स्मार्ट सिटी' पहल के तहत एक महत्वाकांक्षी 'मास्टर प्लान' तैयार किया है, जिसके अंतर्गत 'इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर (आईसीसीसी)' स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना के लिए 56 करोड़ रुपए की लागत से अयोध्या और फैजाबाद में 1000 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। बयान के अनुसार राज्य सरकार के नियोजन विभाग ने इस योजना को मंजूरी दे दी है और जल्द ही इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू होगी। पुलिस विभाग के सहयोग से अयोध्या के संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर ये कैमरे लगाये जाएंगे, जिससे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और कानून व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। राज्य सरकार की इस पहल के तहत सिविल लाइन्स में नगर निगम और अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) के संयुक्त कार्यालय में एक अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष बनाया जाएगा, जहां से पूरे शहर की निगरानी की जाएगी। यह नियंत्रण कक्ष न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि शहर की विभिन्न समस्याओं जैसे जलभराव, खराब 'स्ट्रीट लाइट्स' और पेयजल संकट की त्वरित निगरानी और समाधान में भी सहायक होगा।

बिहार : राजद के प्रदेश अध्यक्ष पद पर ओबीसी नेता मंगनी लाल मंडल का निर्वाचित होना लगभग तय

पटना/भाषा। अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के नेता मंगनी लाल मंडल का राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की बिहार इकाई का अध्यक्ष बनना लगभग तय हो गया है। उन्होंने शनिवार को राजद संस्थापक अध्यक्ष लालू प्रसाद की उपस्थिति में पार्टी कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। राज्य के पूर्व मंत्री और संसद के दोनों सदनों में सदस्य रह चुके मंडल ने इस साल जनवरी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू)से नाता तोड़कर राजद में वापसी की थी।

राजद प्रवक्ता और संगठनात्मक चुनाव के लिए नियुक्त निर्वाचन अधिकारी चितरंजन गगन के मुताबिक, दोपहर में नामांकन की प्रक्रिया समाप्त होने तक इस पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने वाले मंडल एकमात्र उम्मीदवार हैं। गगन ने कहा, ''कल नामांकन पत्रों की जांच की तारीख है और यदि नामांकन पत्र सही पाए गए तथा मंडल चुनाव से पीछे नहीं हटे, तो उन्हें 19 जून को प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित कर दिया जाएगा।'' मंडल 2019 के लोस चुनावों से पहले जद(यू) में शामिल हुए थे और आरोप लगाया था कि राजद में अति पिछड़ा वर्गों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्हें जद(यू) का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया था, लेकिन एक साल बाद उन्हें पदावनत कर पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया। कहा जाता है पिछले साल लोस चुनाव में टिकट न मिलने के बाद से मंडल जद(यू) से नाराज थे। अगर मंडल राजद के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होते हैं, तो वे जगदानंद सिंह का स्थान लेंगे, जो अगड़ी जाति से आते हैं। सिंह लगातार दो बार राजद के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं।

असम के धुबरी में सांप्रदायिक तनाव के बीच 38 लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि धुबरी में 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। धुबरी में सांप्रदायिक तनाव के बाद रात में देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया था।

राज्य सरकार ने एक अधिसूचना में बताया कि धुबरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवीन सिंह का तबादला कर दिया गया है और उनकी जगह हैलाकांडी की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) लीना डोले को नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से कहा, 'धुबरी में गो मांस मामले में रातभर में 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया।' मुख्यमंत्री के अनुसार सात जून को ईद के दिन धुबरी शहर में स्थित हनुमान मंदिर के सामने गाय का कटा हुआ सिर मिला था। अगले दिन फिर उसी मंदिर के सामने गाय का कटा हुआ सिर दोबारा मिलने के बाद इलाके में झड़प हुई।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौ जून को जिला प्रशासन ने धुबरी शहर में निषेधाज्ञा लागू की थी, जिसे अगले दिन कानून-व्यवस्था में सुधार के बाद हटा लिया गया था।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि देखते ही गोली मारने का आदेश रात में दिया गया था, क्योंकि एक संगठन बांग्लादेश की सीमा से लगे जिले में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि 'नबीन बांग्ला' नामक संगठन ने जिले में पोस्टर लगाए हैं जिनमें धुबरी का बांग्लादेश में विलय करने की मांग की गई है।

गाजा में युद्धविराम संबंधी प्रस्ताव से दूरी 'कायरतापूर्ण कृत्य', विदेश नीति चरमराई: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया गाजा में युद्धविराम की मांग वाले संयुक्त राष्ट्र के मसौदा प्रस्ताव पर मतदान से भारत सरकार का दूरी बनाना नैतिक रूप से कायरतापूर्ण कृत्य था और मोदी सरकार के शासनकाल में विदेश नीति चरमरा गई है।

मुख्य विपक्षी दल ने यह सवाल भी किया कि पिछले छह महीनों में ऐसा क्या बदलाव आया जिसके कारण भारत ने युद्धविराम का समर्थन करना बंद कर दिया और फ़लस्तीन पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सैद्धांतिक रुख को भी छोड़ दिया? संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में ''तत्काल, बिना शर्त और स्थायी'' युद्धविराम की मांग वाले मसौदा प्रस्ताव पर मतदान से भारत ने परहेज किया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में स्पेन द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर मतदान हुआ। इस प्रस्ताव में तत्काल, बिना शर्त तथा स्थायी युद्धविराम और हमास एवं अन्य समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की तत्काल तथा बिना शर्त रिहाई की मांग की गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि हमारी विदेश नीति चरमरा गई है। शायद, प्रधानमंत्री मोदी को अब अपनी विदेश मंत्री की बार-बार की गई गलतियों पर फैसला लेना चाहिए और कुछ जवाबदेही तय करनी चाहिए। उन्होंने कहा, गाजा में युद्धविराम के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव के पक्ष में 149 देशों ने मतदान किया। भारत उन 19 देशों में शामिल था जो अनुपस्थित रहे। इस कदम से हम वस्तुतः अलग-थलग पड़ गये हैं। उन्होंने कहा कि 8 अक्टूबर, 2023 को कांग्रेस ने इज़राइल के लोगों पर हमास द्वारा किए गए क्रूर हमलों की निंदा की थी।

काशी विश्वनाथ मंदिर के रेड जोन' में तेज प्रताप यादव का वीडियो सामने आने के बाद जांच के आदेश

वाराणसी (उप्र)/भाषा। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने सोशल मीडिया पर बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव का एक वीडियो वायरल होने के बाद जांच के आदेश दिये हैं। यह वीडियो कथित तौर पर मंदिर के प्रतिबंधित 'रेड जोन' में बनाया गया है। व्यवस्था से जुड़े लोगों के अनुसार 'रेड जोन' का मतलब काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के भीतर का क्षेत्र है, जिसमें मंदिर परिसर भी शामिल है। 'रेड जोन' में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि यादव को काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के अंदर दिखाने वाला उक्त वीडियो बृहस्पतिवार से सोशल मीडिया पर नजर आ रहा है। यह वीडियो यादव का बताया जा रहा है। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने कहा कि मंदिर प्रशासन को हाल में सोशल मीडिया और विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से एक राजनीतिक व्यक्ति द्वारा बनाये गये वीडियो के बारे में पता चला। मंदिर प्रशासन सीआरपीएफ और पुलिस विभाग के साथ मिलकर सुरक्षा जिम्मेदारियों को पूरा करता है। मिश्रा ने कहा, ''मामले की गहन जांच करने और संबंधित एजेंसी के जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचना भेज दी गई है। दोनों एजेंसियों से मंदिर परिसर में निर्धारित नियमों और दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है।

भाजपा ने लालू प्रसाद पर अंबेडकर का अपमान करने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद पर आरोप लगाया कि उन्होंने बाबा साहब अंबेडकर का चित्र अपने पैरों के पास रखवाकर उनका अपमान किया है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने यहां प्रेसवार्ता में इस घटना का वीडियो क्लिप भी दिखाया। घटना तब की है जब पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद 78वां जन्मदिन मना रहे थे।

वीडियो में नजर आ रहा है कि बीमार नेता लालू प्रसाद एक सोफे पर बैठे हैं और उन्होंने पैर पास के सोफे पर रखे हुए हैं। एक समर्थक अंबेडकर की तस्वीर लेकर कमरे में प्रवेश करता है और अभिवादन करने से पहले उसे राजद प्रमुख के पैरों के पास रख देता है। चौधरी ने आरोप लगाया, ''यह इस बात का सबूत है कि लालू प्रसाद दलितों को तुच्छ समझते हैं और दलित वर्ग के सबसे बड़े नेता के प्रति उनके मन में कोई सम्मान नहीं है। वह तो अपने पैरों के पास भगवान की तस्वीरें भी रखवा सकते हैं।'' चौधरी ने दो दशक से अधिक समय पहले राजद से ही अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था। उपमुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि राजद सुप्रीमो के 'अहंकार' के चलते नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडिस जैसे पुराने सहयोगियों को उनसे अलग होना पड़ा एवं कमजोर वर्गों के मतदाता उनसे छिटक गये। इस घटना पर कैबिनेट मंत्री जनक राम और प्रदेश इकाई की उपाध्यक्ष अनामिका पासवान जैसे भाजपा के दलित नेताओं ने भी नाराजगी जताई तथा तीखी प्रतिक्रिया दी।

दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी खिताब के 27 साल के इंतजार को खत्म कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/एपी। दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को फाइनल के चौथे दिन जीत के लिए जरूरी 69 रन बनाकर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत ली।

दक्षिण अफ्रीका ने 27 वर्षों में अपना पहला बड़ा क्रिकेट खिताब जीता जिसके बाद लॉर्ड्स मैदान पर टीम के खिलाड़ी और प्रशंसकों ने जम कर जश्न मनाया। दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 213 रन से की थी। टीम ने पांच विकेट पर 282 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। यह लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए दूसरी सबसे बड़ी जीत है। ऑस्ट्रेलिया ने मैच के चौथे दिन भी पूरा जोर लगाना जारी रखा और कप्तान पैट कमिंस

की अगुवाई में उसके गेंदबाजों ने शुरुआती घंटे में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। दिन के तीसरे ओवर में जब कमिंस की गेंद पर कप्तान बावुमा (66) विकेट के पीछे एलेक्स कैरी के द्वारा लपके गये तब लगा कि टीम एक बार फिर जीत के करीब पहुंच कर फिसल ना जाये। दिन की शुरुआत 102 रन से करने वाले शतकवीर एडेन मारक्रम (136) की अगुवाई में टीम ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए किसी अनहोनी को टाल दिया। ऑस्ट्रेलिया ने विकेट चटकाने के लिए पूरा प्रयास किया। टीम की बेताबी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसने शुरुआती 90 मिनट के खेल में अपने तीनों डीआरएस गंवा दिये। हेजलवुड की गेंद पर मारक्रम जब आउट हुए तब तक मैच ऑस्ट्रेलिया के हाथों से निकल चुका था। मारक्रम ने छह घंटे और 23 मिनट की मैराथन पारी में 207 गेंद का सामना कर 14 चौके जड़े।

सुविचार

राधा की भक्ति में इतना सामर्थ्य था कि उन्होंने बिना कोई व्रत किए कृष्ण को पा लिया।

ट्वीट

आप सभी को 'विश्व रक्तदाता दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, इस अवसर पर संकल्प लें कि हम स्वेच्छा से रक्तदान कर जीवन बचाने में अपना अमूल्य योगदान देंगे। रक्तदान न केवल एक महान मानव सेवा है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक भी है।

-भजनलाल शर्मा

इस भीषण गर्मी में स्वयं का बचाव ही सबसे अच्छा उपचार है। पिछले चार दिन में केवल ब्यड में ही हीटवेव के 1900 से अधिक मरीज आ गए हैं। बाकी जिलों में भी कमोबेश यही स्थिति है। मीडिया के मुताबिक अस्पताल में बेड तक कम पड़ रहे हैं।

-अशोक गहलोत

कहानी

मिथिलेश्वर

बारिश की रात

आरा शहर। भादों का महीना। कृष्ण पक्ष की अँधेरी रात। ज़ोरों की बारिश। हमेशा की भाँति बिजली का गुल हो जाना। रात के गहराने और सूनेपन को और सघन भयावह बनाती बारिश की तेज़ आवाज़! अंधकार में डूबा शहर तथा अपने घर में सोये-दुबके लोग!

लेकिन सचदेव बाबू की आँखों में नींद नहीं। अपने आलीशान भवन के भीतर अपने शयन-कक्ष में बेहद आरामदायक बिस्तरे पर अपनी पत्नी के साथ लेटे थे वे। पर लेटने भर से ही तो नींद नहीं आती। नींद के लिए – जैसी निश्चिंतता और बेफ़िक्री की ज़रूरत होती है, वह तो उनसे कोसों दूर थी।

हालाँकि यह स्थिति सिर्फ़ सचदेव बाबू की ही नहीं थी। पूरे शहर पर खौफ़ का यह कहर था। आए दिन चोरी, लूट, हत्या, बलात्कार, राहजनी और अपहरण की घटनाओं ने लोगों को बेतरह भयभीत और असुरक्षित बना दिया था। कभी रातों में गुलज़ार रहनेवाला उनका यह शहर अब शाम गहराते ही शमशानी सन्नाटे में तब्दील होने लगा था। अब रातों में सड़कों और गलियों में नज़र आनेवाले लोग शहर के सामान्य और संभ्रांत नागरिक नहीं, संदिग्ध लोग होते थे। कब किसके यहाँ क्या हो जाए, सब आतंकित थे।

जब इस शहर में अपना यह घर बनवा रहे थे सचदेव बाबू तो बहुत प्रसन्न थे कि महानगरों में दमघोंटू, विषाक्त, अजनबीयत और छल-छद्मी वातावरण से अलग इस शांत-सहज और निश्छल-निर्दोष गँवई शहर में बस रहे हैं। लेकिन अब तो महानगर की अजनबीयत की अपेक्षा यहाँ की भयावहता ने बुरी तरह से त्रस्त और परेशान कर दिया था उन्हें। ये बरसाती रातें तो उन्हें बरबादी और तबाही का साक्षात संकेत जान पड़ती थीं।

इसे दुर्योग कहें या विडंबना कि जिस बात को लेकर आदमी आशंकित बना रहता है, कभी-कभी वह बात घट भी जाती है। इस अंधेरी, तूफ़ानी, बरसाती रात में जिस बात को लेकर डर रहे थे सचदेव बाबू उसका आभास भी अब उन्हें होने लगा था। उन्हें लगा था कि गेट फाँदकर उनके दरवाज़े पर कोई चढ़ आया है। बस, उनके कान खड़े हो गए। वे उस आगंतुक की आहट लेने लगे। उनकी शंका सही थी। अब दरवाज़े पर थपथपाहट की आवाज़ भी आने लगी थी। सचमुच कोई आ धमका था।

सचदेव बाबू की पत्नी ने दबी आवाज़ में उनसे पूछा, कौन है यह यदु मिस्त्री?

उन्होंने भी दबी आवाज़ में ही जवाब दिया, राज मिस्त्री है। इस मकान में काम कर चुका है। ठेकेदार के साथ आनेवाले मिस्त्रियों में एक यह भी था।

तो इस समय क्यों आया है। यह सब राज मिस्त्री और मजदूर अच्छे नहीं होते, घर का भेदिया होते हैं। घर के अंदर-बाहर सब कुछ इनका देखा-जाना होता है। अपनी शंका व्यक्त की उन्होंने।

जवाब में सचदेव बाबू ने भी उनकी शंका को अपनी सहमति प्रदान की, पिछली चोरी में इस घर के मजदूर-मिस्त्रियों का ही हाथ था। छत से बिना सीढ़ी के आँगन के रास्ते उतरने का तरीका उनके सिवा किसी को ज्ञात नहीं था।

यदु मिस्त्री की पुकार और थपथपाहट की आवाज़ जारी थी, सो गए हैं क्या साहब? हाकिम! इंजीनियर साहब! मैं यदु मिस्त्री हूँ, यदु!

लेकिन सचदेव बाबू व उनकी पत्नी ने पहले ही से तय कर रखा था कि चाहे जो हो, रात में दरवाज़ा नहीं खोलना। वे जानते थे, परिचित आवाज़ में कोई एक दरवाज़ा खुलवाता है और दरवाज़ा खुलने पर उसके साथ छिपकर आए दस लुटेरे भरभराकर अंदर घुस आते हैं।

अब किसी पर विश्वास करने का समय नहीं रहा। मुसीबत और परिचय के नाम पर ही तो सब कुछ होता रहा है। उन्हें यदु की बातों में हरगिज़ नहीं आना है। ठीक इसी समय उनकी पत्नी ने भी कहा, अपने मित्रों, रिश्तेदारों और पुलिस को फ़ोन क्यों नहीं करते हो? शायद कोई रास्ता निकल आए?

उन्हें लगा, पत्नी भी उनकी तरह ही सोच रही है। अब वे सक्रिय हो गए। फ़ोन रखने का वास्तविक उपयोग तो ऐसे अवसरों पर ही होता है। लेकिन ये लुटेरे भी कम चतुर नहीं होते। लूट के लिए आने से पूर्व फ़ोन आदि के कनेक्शन काट चुके होते हैं। पर सचदेव बाबू को डूबते को तिनके के सहारे के भाँति फ़ोन का कनेक्शन ठीक मिला। बस, वे डायल घुमा, सजग-सतर्क हो, अपनी इच्छित जगहों पर, तत्क्षण बोल उठे धीमी आवाज़ में, ताकि बाहर यदु को उनकी आवाज़ सुनायी न पड़े। वैसे भी उनके शयन-कक्ष और कमरों की बनावट ऐसी थी कि बंद दरवाज़ों और खिड़कियों के भीतर की आवाज़ बाहर नहीं पहुँच पाती थी।

इधर बाहर दरवाज़ा थपथपा रहा और आवाज़ लगा रहा यदु मिस्त्री बारिश में पूरी तरह भीगा हुआ था। उसके कपड़े बदन से चिपक गये थे और माथे के बेतरतीब बालों से पानी की बूँदें टप-टप चू रहीं थीं। वह कुछ हाँफ भी रहा था। बारिश में भीगते और दौड़ते हुए ही वह यहाँ आया था। अपनी घरवाली को आज ही दोपहर अपने गाँव से यहाँ शहर के अस्पताल में लाया था। उसके पेट के दर्द का एकमात्र इलाज डॉक्टर ने ऑपरेशन बताया था। गाँव से जो पैसे लेकर वह चला था, वह तो चिकित्सक की मोटी फीस और महंगी सुइयों-दवाइयों में तत्क्षण समाप्त हो गए थे। फिलहाल कुछ रुपयों की उसे सख्त आवश्यकता थी। गाँव जाकर रुपये लाने का समय भी तो उसके पास नहीं। इस स्थिति में सहसा उसका ध्यान सचदेव बाबू की ओर चला आया था।

सचदेव बाबू के मकान में लंबे समय तक काम कर चुका था वह। उनके मकान निर्माण के लिए ही उसे गाँव से बुलवाया था ठेकेदार ने। शहर के मिस्त्रियों से ज्यादा काम करता था वह। नींव से लेकर छत ढलाई और प्लास्टर-फिनिशिंग तक इस मकान में कर चुका था। इस घर की एक-एक ईंट से वह परिचित था। कई जगह सचदेव बाबू जैसा चाहते थे, उनकी बात ठेकेदार नहीं समझ पाता था। लेकिन मिस्त्री होने के चलते वह जल्द ही समझ जाता था। यह देख सचदेव बाबू उस पर खुश हो उठते थे और ठेकेदार से कहते थे, इस मिस्त्री को यहाँ से मत हटाना। इसे काम की अच्छी जानकारी है। और यह परिश्रमी भी है।

त्योहारों पर तो वे अपनी ओर से उसे अक्सर बख़्शीश भी दिया करते थे और लंच के लिए अपने खाने में से सब्ज़ी और अचार आदि उसे भी प्रदान करते रहते थे। ठेकेदार का काम समाप्त होने पर भी बचे हुए शेष कार्य के लिए उन्होंने उसे अपने यहाँ कायम रखा था। अपने प्रति उनके इस आकर्षण ने ही इस तूफ़ानी रात में उसे यहाँ तक पहुँचा दिया था। उनसे प्रार्थना कर कुछ रुपये माँग लेगा वह। वे ना नहीं करेंगे। फिर गाँव लौटते ही उनके रुपये ला चुकाएगा।

यदु जानता था कि बाहर के गेट से आवाज़ अंदर नहीं पहुँचती, इसीलिए गेट फाँदकर बालकनी में मुख्य दरवाज़े के पास वह आ गया था। चूँकि सचदेव बाबू मिस्त्री-मज़दूरों के बीच बड़े साहब, हाकिम और इंजीनियर साहब के नाम से ही विख्यात थे, इसीलिए उसी नाम से वह आवाज़ भी लगाता जा रहा था। उसकी आवाज़ पहचानने के बाद सचदेव बाबू चुप नहीं रहेंगे ! लेकिन कुछ देर तक जब उनके यहाँ से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ तो यदु को लगा कि डर गए हैं सचदेव बाबू। यह बात वह जानता था कि परिचित आवाज़ में लूटपाट की घटनाओं से अब किसी को किसी पर भरोसा नहीं रहा। सचदेव बाबू के यहाँ आ रहा था वह तब भी यह शंका उसके मन में थी।

लेकिन अपने प्रति उनके आत्मीय एवं स्नेहपूर्ण व्यवहार को याद कर अपने मन की इस शंका को झटक दिया था उसने, सचदेव बाबू ऐसे नहीं हो सकते। अभी भी उसे इस बात का पूरा विश्वास था कि अगर उसकी आवाज़ पहचान लेंगे सचदेव बाबू तो अवश्य दरवाज़ा खोलकर सामने आ जाएँगे और उसकी मदद करेंगे, इसीलिए दरवाज़ा थपथपाते और आवाज़ लगाते हुए वह डटा हुआ था।

बीतते समय के दौरान अचानक तेज रोशनी बिखेरती हुई एक जीप सचदेव बाबू के दरवाज़े आ लगी। यदु को लगा कि या तो सचदेव बाबू के बेटा-पतोह या लड़की-दामाद या कोई अन्य रिश्तेदार आ गए। अच्छा हुआ। अब सचदेव बाबू का दरवाजा खुलेगा और उसका काम भी हो जाएगा। लेकिन यह देखकर आश्चर्य से उसकी आँखें खुली की खुली रह गईं कि जीप से पुलिस के जवान तेज़ी से उतरे और उसकी तरह ही गेट फांदकर उसकी ओर बढ़ चले। एक क्षण के लिए तो वह भयभीत हो गया। काटो तो उसकी देह में खून नहीं। लेकिन जल्द ही अपने को संयत कर लिया उसने। वह कोई चोर-उचक्का नहीं कि पुलिस को देखकर घबराए या भागे? पुलिस किसी और की खोज में आई होगी या उसे काई सुराग मिला होगा?

ठीक इसी समय सचदेव बाबू दरवाज़ा खोलकर सामने आ गए। अपने गेट के पास आती हुई पुलिस की जीप उन्होंने खिड़की से ही देख ली थी। पुलिस इंस्पेक्टर ने उन्हें देखते ही कहा, ''हमने इसे ऐन मौके पर पकड़ लिया इंजीनियर साहब! लेकिन यह कह रहा है कि मैं राज मिस्त्री हूँ। साहब का घर मैंने बनाया है।''

''मैं किसी मिस्त्री-विस्त्री को नहीं जानता!'' – बेतकल्लुफ़ी से कह उठे सचदेव बाबू। यह सुन उनकी ओर मुखातिब होते हुए जोर देकर बोल उठा यदु, मैं यदु मिस्त्री हूँ बड़े साहब! यदु मिस्त्री! मुसीबत में फँसकर कुछ रुपयों के लिए आपके यहाँ आया हूँ!

लेकिन उसकी बात को अनसुनी कर दिया सचदेव बाबू ने तथा अपनी ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से ताकते इंस्पेक्टर से कह उठे वे, मैं इसे नहीं जानता!

उनकी यह बात यदु के कलेजे में तीर-जैसी लगी। कट कर रह गया वह। अपने कानों पर उसे विश्वास नहीं हुआ। उनसे पुन: ऊँची आवाज़ में कहा, मैं यदु मिस्त्री हूँ, बड़े साहब, आपका चहेता यदु मिस्त्री।

एक क्षण के लिए सचदेव बाबू के गले में आवाज़ फँसती-सी जान पड़ी। लेकिन फिर जल्द ही गला साफ़ करते हुए उन्होंने इंस्पेक्टर से कहा, ठेकेदार के साथ आनेवाले मिस्त्रियों को मैं नहीं जानता! उनमें से किसी को भी नहीं पहचानता!

तो आप मुझे नहीं पहचानते? मैं मिस्त्री नहीं, चोर हूँ? इस बार यदु की आवाज़ बदल गई थी और उसका पूरा बदन तन गया था। जवाब में इंस्पेक्टर ने उसे डाँटते हुए कहा, चुप बदमाश! अकड़ रहा है। इस मुहल्ले में बहुत उत्पात मचा रखा था तूने आज पकड़ में आया। – और साथ के जवानों को आदेश दिया, ले चलो इसे !

लेकिन इंस्पेक्टर की डाँट के बावजूद कन्नी-बसुली चलानेवाले उसके हाथ की मुट्ठियाँ कस गईं तथा आग्नेय नेत्रों से सचदेव बाबू को घूरते हुए गरज उठा वह, तो आप मुझको नहीं पहचानते? मैं चोर हूँ! तो अब उसी रूप में आऊँगा। अब उसी रूप में पहचानिएगा! साला धमकी देता है। चोरी और सीनाजोरी दोनों! इंस्पेक्टर ने कसकर उसे एक हाथ लगाया। वह दर्द से कराह उठा। शायद कुजगहा चोट लगी उसे। लेकिन उसकी बातों से उससे कम दर्द का अनुभव नहीं किया सचदेव बाबू तथा उनकी पत्नी ने। वह कहकर गया है कि अब चोर-लुटेरे के रूप में ही आएगा। उससे कुछ भी तो गोपनीय नहीं। सब कुछ उसका देखा-जाना है। अब क्या होगा? उसे न पहचानकर उन्होंने अच्छा नहीं किया। लेकिन न चाहते हुए भी उन्हें ऐसा करना पड़ा। उनके भीतर अंतर्द्वंद्व अभी भी बना हुआ था। वे समझ नहीं पा रहे थे कि उन्होंने अच्छा किया या बुरा? हालाँकि उन्हें लग रहा था कि यदु को न पहचानना उनकी आंतरिक इच्छा नहीं, समयगत विवशता थी!

पुलिस द्वारा यदु को पकड़कर ले जाने के बाद दरवाज़ा बंद कर पुन: अपने शयन-कक्ष में आए वे दोनों पति-पत्नी। लेकिन उनकी बेचैनी और घबराहट खतम नहीं हुई। अशांति और उद्विग्नता पूर्ववत बनी रही। अपने मन को शांत-सहज बनाने के लिए बिस्तर पर लेटकर वे पुन: सोने का उपक्रम भी करने लगे। लेकिन शांति और चैन कहाँ? यह ठीक है कि अब अपने दरवाज़े पर वे यदु की दस्तक महसूस नहीं कर रहे थे। लेकिन अब तो उनके मन पर सीधे-सीधे दस्तक दे रहा था यदु, जो दरवाज़े की दस्तक से ज़्यादा भयावह और कष्टदायक थी!

– 'हिन्दी समय' से साभार

इधर बाहर दरवाज़ा थपथपा रहा और आवाज़ लगा रहा यदु मिस्त्री बारिश में पूरी तरह भीगा हुआ था। उसके कपड़े बदन से चिपक गये थे और माथे के बेतरतीब बालों से पानी की बूँदें टप-टप चू रहीं थीं। वह कुछ हाँफ भी रहा था। बारिश में भीगते और दौड़ते हुए ही वह यहाँ आया था। अपनी घरवाली को आज ही दोपहर अपने गाँव से यहाँ शहर के अस्पताल में लाया था। उसके पेट के दर्द का एकमात्र इलाज डॉक्टर ने ऑपरेशन बताया था। गाँव से जो पैसे लेकर वह चला था, वह तो चिकित्सक की मोटी फीस और महंगी सुइयों-दवाइयों में तत्क्षण समाप्त हो गए थे। फिलहाल कुछ रुपयों की उसे सख्त आवश्यकता थी। गाँव जाकर रुपये लाने का समय भी तो उसके पास नहीं। इस स्थिति में सहसा उसका ध्यान सचदेव बाबू की ओर चला आया था।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

पाणी केरा बुदबुदा

आयु: पल्लवकोणाग्रलाम्बान्बुकानभंगुरम
उन्मत्तमिव संत्यज्य यात्यकाण्डे शरीरिणम।

जीवन की क्षणभंगुरता ऐसा विषय है, जिसे हर व्यक्ति प्रति क्षण अनुभव करता है, तथापि प्रति क्षण भूला रहता है। जगत से जाने के सत्य को जानकर भी जानना नहीं चाहता।

योगवासिष्ठम के वैराग्य प्रकरण के 14वें सर्ग से लिया गया उपरोक्त श्लोक इसी क्षणभंगुरता की पुष्टि करता है। इस श्लोक का अर्थ है कि जीवन, किसी पल्लव अथवा पत्ते के कोने पर टपकी हुई जल की बूँद के समान क्षणभंगुर है। यह जीवन (प्राण) देह को बिना किसी पूर्व चेतावनी के, एक विक्षिप्त या नशे में धुत व्यक्ति की भाँति अकस्मात छोड़कर चला जाता है। क्षणभंगुरता का यह यथार्थ निरी आँखों से दिखता है। हरेक इसे देखता है। इसका आस्तिकता या नास्तिकता से कोई सम्बंध नहीं है। कर्म या कर्मफल के सिद्धांत से भी इसका कोई लेना-देना नहीं है। 'परलोक के लिए पुण्य संचित करो' में विश्वास रखने वाले हों या 'खाओ, पिओ, ऐश करो' पर भरोसा करने वाले, मानने-न मानने वाले, सब पर, हरेक पर यह लागू होता है। यूँ भी कोई किसी भी पंथ, सम्प्रदाय का हो, मत-मतांतर का हो, पार्थिव अमरपट्टा नहीं ले सकता।

क्षणभंगुरता के सिक्के का दूसरा पहलू है शाश्वत होना। 'क्षणं प्रतिक्षणं गच्छति', में प्रतिध्वनित होता नश्वरता का शाश्वत सत्य, सीमित देहकाल में मनुष्यता के अपार विस्तार की संभावना भी है। यहाँ से एक विचार यह उठता है कि भोजन, निद्रा, मैथुन तो सभी सजीवों पर समान रूप से लागू है। तथापि मनुष्य देह का वरदान मिला है तो जीवन को भोगते हुए कुछ ऐसा अवश्य किया जाना चाहिए जिससे मनुष्यता बेहतर फले-फूले। यह हमारा नैमित्तिक कर्तव्य भी है।

कहीं पढ़ा था कि आदिवासियों के एक समूह को नागरी सभ्यता और विकास दिखाने के लिए लाया गया। शहर की विशाल अट्टालिकाएँ देखकर वे आश्चर्यचकित रह गए। उनका आश्चर्य यह जानकर बढ़ गया कि इनमें से अधिकांश घर खाली पड़े हैं। कुछ आगे चलकर उन्होंने देखा कि सड़क पर बड़ी संख्या में भिखारी हैं जो मांग कर अपना गुज़ारा कर रहे हैं और उनके सिर पर किसी तरह की कोई छत नहीं है। आदिवासियों ने जानना चाहा कि वे लोग बिना छत के क्यों हैं, जबकि इतने सारे घर खाली पड़े हैं?

उन्हें बताया गया कि यहाँ एक व्यक्ति कई घर खरीदता है। आगे चलकर जब घर की कीमत बढ़ जाती है तो उसे बेच देता है। पैसा इसी तरह कमाया जाता है। आदिवासी आश्चर्यचकित रह गए। उनमें से एक बुज़ुर्ग ने कहा, कैसे मनुष्य हैं आप? कुछ लोग सड़क पर बिना घर के जी रहे हैं और एक व्यक्ति के पास अनेक घर हैं। जीवन काटने के लिए तो एक घर ही पर्याप्त है। हम आदिवासियों में प्रथा है कि हम सब मिलकर नवयुगल के लिए अपने हाथों से घर बनाते-बाँधते हैं और उनके जीवन का शुभारंभ करते हैं। इस तरह हम, हमारी आनेवाली पीढ़ी को बसाते हैं।

इस घटना का संदर्भ सांप्रतिक जीवन में धन या पैसे के महत्व को नकारने के लिए नहीं है। जीवन के केंद्र में इस समय पैसा है। जगत के सारे व्यवहार का कारण और आधार पैसा है। अर्थार्जन हमारे चार पुरुषार्थों में सम्मिलित है। अत: परिश्रम और बुद्धि से अर्जन तो अनिवार्य है।

यहाँ संदर्भ मनुष्य में वांछित मनुष्यता के लोप अथवा सामुदायिक चेतना के अभाव का है। इस चेतना के उन्नयन का एक श्रेष्ठ उदाहरण महाराज अग्रसेन रहे। माना जाता है कि उन्होंने 'एक रोटी, एक ईंट' का मंत्र अपने राज्य की जनता दिया था।

मंत्र का व्यवहार यह था कि बाहर से आकर कोई व्यक्ति यदि उनके राज्य में बसना चाहे तो अपेक्षित है कि समाज का हर समर्थ व्यक्ति उसके लिए एक रोटी और एक ईंट की व्यवस्था करे। रोटी से नवागत के परिवार का पेट भरता और एक-एक ईंट करके उसका मकान बनता। सामुदायिकता और सामासिकता का यह अनुपम उदाहरण है। किसी सुपात्र निर्धन को एक रोटी और एक ईंट दे सकने का सामर्थ्य ईश्वर ने बड़ी संख्या में लोगों को दे रखा है। इसका क्रियान्वयन मनुष्यता को प्राणवान रखने के लिए संजीवनी सिद्ध हो सकता है।

संत कबीर ने लिखा है,
पाणी केरा बुदबुदा, इसी हमारी जाति।
एक दिनाँ छिप जाँहिगे, तारे ज्यूँ परभाति।।

स्मरण रहे कि क्षणभंगुर जीवन पानी के बुलबुले की भाँति अकस्मात फूट जाएगा। बुलबुले के फूटने से पहले सामुदायिक विकास में थोड़ा-सा हाथ लगा सकें, पंच महाभूतों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा सकें तो मनुष्य जीवन में कुछ सार्थक कर सकने का संतोष लिए प्रस्थान हो सकेगा।

वीर गाथा

हवलदार पवन कुमार यादव: बारूदी सुरंगों के बीच आतंकवादियों का किया संहार

हवलदार पवन कुमार यादव का जन्म राजस्थान में झुंझुनूं जिले के बड़बर गांव में हुआ था। माता लाली देवी और पिता चंदगीराम यादव के पुत्र पवन भारतीय सेना की महार रेजिमेंट की 21वीं बटालियन के वीर योद्धा हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में दो खूंखार आतंकवादियों का संहार किया था। सेना को 22 जून, 2023 को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली थी कि कुछ आतंकवादी कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के रास्ते घुसपैठ की कोशिश करने वाले हैं। अधिकारियों ने इस सूचना का विश्लेषण करने के बाद हवलदार पवन कुमार के नेतृत्व में एक टीम बनाई और उसे रात को घने जंगल में तैनात कर दिया। अचानक आतंकवादी दिखाई दिए और जवानों ने उनकी ओर गोलीबारी शुरू कर दी। चूंकि रात का समय था, इसलिए आतंकवादी कहीं जंगल में न छिप जाएं, यह सोचकर पवन ने एक योजना बनाई। वे रेंगते हुए आगे बढ़े और एक आतंकवादी को निशाने पर लिया। इस योजना में भारी जोखिम था। आगे बारूदी सुरंगें बिछी हुई थीं और आतंकवादियों द्वारा भीषण गोलीबारी की जा रही थी। पवन ने अपने लक्ष्य का पीछा किया, गोली चलाई और एक आतंकवादी धराशायी हो गया।

यह देखकर दूसरा आतंकवादी वहां से भागने की कोशिश करने लगा। पवन ने पहले ही उसकी हरकत का अंदाजा लगा लिया था। उन्होंने भारी गोलीबारी के बीच उसका पीछा किया। सही समय पर एक और गोली चलाई तथा दूसरे आतंकवादी को भी परलोक भेज दिया। हवलदार पवन कुमार यादव ने अदम्य साहस, वीरता और निर्भीकता दिखाते हुए जिस तरह आतंकवादियों का खात्मा किया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

बोध कथा

जैसे को तैसा

एक स्थान पर जीर्णधन नाम का बनिये का लड़का रहता था । धन की खोज में उसने परदेश जाने का विचार किया । उसके घर में विशेष सम्पत्ति तो थी नहीं, केवल एक मन भर भारी लोहे की तराजू थी । उसे एक महाजन के पास धरोहर रखकर वह विदेश चला गया । विदेश स वापिस आने के बाद उसने महाजन से अपनी धरोहर वापिस मांगी । महाजन ने कहा----वह लोहे की तराजू तो चूहों ने खा ली । बनिये का लड़का समझ गया कि वह उस तराजू को देना नहीं चाहता । किन्तु अब उपाय कोई नहीं था । कुछ देर सोचकर उसने कहा---कोई चिन्ता नहीं । चुहों ने खा डाली तो चूहों का दोष है, तुम्हारा नहीं । तुम इसकी चिन्ता न करो । थोड़ी देर बाद उसने महाजन से कहा----मित्र ! मैं नदी पर स्नान के लिए जा रहा हूँ । तुम अपने पुत्र धनदेव को मेरे साथ भेज दो, वह भी नहा आयेगा । महाजन बनिये की सज्ञनता से बहुत प्रभावित था, इसलिए उसने तत्काल अपने पुत्र को उनके साथ नदी-स्नान के लिए भेज दिया । बनिये ने महाजन के पुत्र को वहाँ से कुछ दूर ले जाकर एक गुफा में बन्द कर दिया । गुफा के द्वार पर बड़ी सी शिला रख दी, जिससे वह बचकर भाग न पाये । उसे वहाँ बंद करके जब वह महाजन के घर आया तो महाजन ने पूछा---मेरा लड़का भी तो तेरे साथ स्नान के लिए गया था, वह कहाँ है ?

बनिये ने कहा ----उसे चील उठा कर ले गई है । महाजन ---यह कैसे हो सकता है ? कभी चील भी इतने बड़े बच्चे को उठा कर ले जा सकती है ?

बनिया---भले आदमी ! यदि चील बच्चे को उठाकर नहीं ले जा सकती तो चूहे भी मन भर भारी तराजू को नहीं खा सकते । तुझे बच्चा चाहिए तो तराजू निकाल कर दे दे । इसी तरह विवाद करते हुए दोनों राजमहल में पहुँचे । वहाँ न्यायाधिकारी के सामने महाजन ने अपनी दु:ख-कथा सुनाते हुए कहा कि, इस बनिये ने मेरा लड़का चुरा लिया है । धर्माधिकारी ने बनिये से कहा ---इसका लड़का इसे दे दो । बनिया बोल----महाराज ! उसे तो चील उठा ले गई है । धर्माधिकारी ----क्या कभी चील भी बच्चे को उठा ले जा सकती है ? बनिया ----प्रभु ! यदि मन भर भारी तराजू को चूहे खा सकते हैं तो चील भी बच्चे को उठाकर ले जा सकती है । धर्माधिकारी के प्रश्न पर बनिये ने अपनी तराजू का सब वृत्तान्त कह सुनाया ।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

तेहरान के कुछ प्रमुख सहयोगी इजराइल-ईरान संघर्ष से दूरी क्यों बनाए हुए हैं?

बेरूत/एपी

हिजबुल्ला को लंबे समय से इजराइल के साथ युद्ध की स्थिति में ईरान की पहली रक्षा पंक्ति माना जाता रहा है। लेकिन, इस सप्ताह जब से इजराइल ने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया है, तब से ये लेबनानी चरमपंथी समूह इस लड़ाई से बाहर है।

इराक में ईरान समर्थित शक्तिशाली मिलिशिया का नेटवर्क भी शांत नजर आ रहा है जबकि इजराइल ने हमलों को अंजाम देने के लिए कथित तौर पर इराक के हवाई क्षेत्र का भी इस्तेमाल किया है।

घरेलू राजनीतिक चिंताओं तथा लगभग दो वर्षों के क्षेत्रीय संघर्षों और उथल-पुथल में हुई भारी क्षति के कारण, ऐसा प्रतीत होता है कि ईरान के इन सहयोगियों ने नवीनतम संघर्ष में दूरी बनाना शुरू कर दिया है।

हिजबुल्ला का गठन 1980 के दशक के प्रारंभ में ईरान के समर्थन से एक गुरिल्ला बल के रूप में हुआ था जो उस समय दक्षिणी लेबनान पर इजराइल के कब्जे के खिलाफ लड़ रहा था।

इस चरमपंथी समूह ने इजराइल को लेबनान से बाहर निकालने में मदद की और आगामी दशकों में अपने शस्त्रागार का निर्माण किया, जिससे यह एक शक्तिशाली क्षेत्रीय ताकत बन गया और ईरान समर्थित गुटों के समूह का केंद्रबिंदु बनकर उभरा।

ईरान समर्थित सहयोगियों में इराकी शिया मिलिशिया, यमन के हूती विद्रोही और फलस्तीनी उग्रवादी समूह हमास भी शामिल है।

दक्षिणी इजराइल पर सात अक्टूबर 2023 को फलस्तीनी उग्रवादियों के हमले और गाजा में इजराइल की जवाबी कार्रवाई के बाद अपने सहयोगी हमास की सहायता करते हुए हिजबुल्ला ने सीमा पार से रॉकेट दागना शुरू किया था।

इसके अलावा, इराकी मिलिशिया कभी-कभी इराक और सीरिया में अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों को निशाना बनाता रहा है, जबकि यमन के हूती लड़ाकों ने एक महत्वपूर्ण वैश्विक व्यापार मार्ग लाल सागर में जहाजों पर गोलीबारी करके इजराइल को निशाना बनाना शुरू किया।

हिजबुल्ला और उसके नेता नईम कासिम ने इजराइल के हमलों की निंदा की और हमले में वरिष्ठ ईरानी अधिकारियों की मौत पर शोक जताया। लेकिन कासिम ने यह नहीं कहा कि हिजबुल्ला इजराइल के खिलाफ किसी भी जवाबी कार्रवाई में भाग लेगा।

इराकी मिलिशिया ने भी एक बयान जारी कर इजराइल के ईरान पर हमले की निंदा की। साथ ही ईरान पर हमले के लिए कथित तौर पर इराक के हवाई क्षेत्र का उपयोग करने के मद्देनजर इराक सरकार से ''देश से शत्रुतापूर्ण ताकतों को तत्काल बाहर निकालने'' का आह्वान किया।

हालांकि, इराकी मिलिशिया ने ईरान-इजराइल संघर्ष में किसी भी तरह से शामिल होने का कोई संकेत नहीं दिया है।

किंग्स कॉलेज लंदन के एसोसिएट प्रोफेसर और सैन्य विश्लेषक एंड्रियास क्रेग ने कहा, ''सीरिया में आपूर्ति श्रृंखलाओं से कट जाने के कारण हिजबुल्ला की सामरिक स्तर पर स्थिति कमजोर हो गई है।''

पहिए का आविष्कार कैसे हुआ? कंप्यूटर सिमुलेशन के अनुसार-लगभग 6,000 साल पहले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अटलांटा। कल्पना कीजिए कि आप 3900 ईसा पूर्व में दक्षिण-पूर्वी यूरोप में एक तांबे के खनिक हैं। दिन-प्रतिदिन आप खदान की तपती सुरंगों से तांबे का अयस्क निकालते हैं।

आप खनन जीवन की नीरसता से खुद को जोड़ चुके हैं। फिर एक दोपहर, आप एक साथी कर्मचारी को कुछ उल्लेखनीय काम करते हुए देखते हैं। एक अजीबोगरीब दिखने वाले उपकरण के साथ, वह एक ही बार में अपने शरीर के वजन से तीन गुना अधिक वजन ले जाता है। जब वह दूसरा भार लाने के लिए खदान में वापस आता है, तो आपको अचानक एहसास होता है कि आपका चुना हुआ पेशा अब पहले से कहीं कम बोझिल और कहीं ज़्यादा फ़ायदेमंद होने वाला है।

आप यह नहीं जानते: आप कुछ ऐसा देख रहे हैं जो इतिहास की दिशा बदल देगा- न केवल आपके छोटे खनन समुदाय के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए। पहिये के अथाह प्रभाव के बावजूद, कोई भी निश्चित नहीं है कि इसका आविष्कार किसने किया, या इसकी कल्पना सबसे पहले कब और कहां की गई। ऊपर वर्णित काल्पनिक परिदृश्य 2015 के एक सिद्धांत पर आधारित है कि कार्पेथियन पर्वतों में खनिकों - वर्तमान हंगरी में - ने तांबे के अयस्क के परिवहन के साधन के रूप में लगभग 6,000 साल पहले पहिये का आविष्कार किया था।

इस सिद्धांत का समर्थन इस क्षेत्र में काम कर रहे पुरातत्वविदों द्वारा 150 से अधिक लघुकृत वैगन की खोज से होता है। ये छोटे आकार के, चार पहियों वाले मॉडल मिट्टी से बनाए गए थे और उनकी बाहरी सतहों पर ऐसे डिजाइन उकेरे गए थे जो उस समय खनन समुदायों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली टोकरियों की याद दिलाती हैं।

बाद में कार्बन डेटिंग से पता चला कि ये गाड़ियां पहिएदार परिवहन के अब तक के सबसे प्रारंभिक ज्ञात चित्रण हैं। यह सिद्धांत मेरे लिए भी एक विशेष रुचि का प्रश्न उठाता है, क्योंकि मैं एक एयरोस्पेस इंजीनियर हूं और इंजीनियरिंग डिजाइन के विज्ञान का अध्ययन करता हूं। एक अस्पष्ट, वैज्ञानिक रूप से अनुभवहीन खनन समाज ने पहिये की खोज कैसे की, जबकि प्राचीन मिस्र जैसी अत्यधिक उन्नत सभ्यताओं ने इसकी खोज नहीं की थी?

लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि पहियों का विकास साधारण लकड़ी के रोलर से हुआ है। लेकिन हाल ही तक कोई भी यह नहीं बता पाया कि यह परिवर्तन कैसे या क्यों हुआ। इतना ही नहीं, 1960 के दशक की शुरुआत में, कुछ शोधकर्ताओं ने रोलर-टू-व्हील सिद्धांत के बारे में गंभीर संदेह व्यक्त करना शुरू कर दिया।

आखिरकार, रोलर के उपयोगी होने के लिए, उन्हें समतल, ठोस जमीन और ढलानों और तीखे मोड़ों से मुक्त मार्ग की आवश्यकता होती है। इन सभी कारणों से, प्राचीन दुनिया में रोलर का इस्तेमाल बहुत कम किया जाता था। संशयवादियों के अनुसार, रोलर बहुत दुर्लभ और बहुत अव्यावहारिक थे, इसलिए पहिये के विकास के लिए उन्हें शुरुआती बिंदु नहीं माना जा सकता था।

रोलर से पहियों तक के बदलाव के लिए दो प्रमुख नवाचारों की आवश्यकता है। पहला है माल ढोने वाली गाड़ी में बदलाव। गाड़ी के आधार पर अर्धवृत्ताकार सॉकेट लगे होने चाहिए, जो रोलर को अपनी जगह पर बनाए रखें। इस तरह, जब ऑपरेटर गाड़ी को खींचता है, तो रोलर भी उसके साथ खिंचते हैं। यह नवाचार संभवतः खदान के वातावरण की सीमित प्रकृति से प्रेरित रहा होगा। सॉकेट रोलर की खोज पहिये के विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई और दूसरे एवं सबसे महत्वपूर्ण नवाचार का मार्ग प्रशस्त किया।

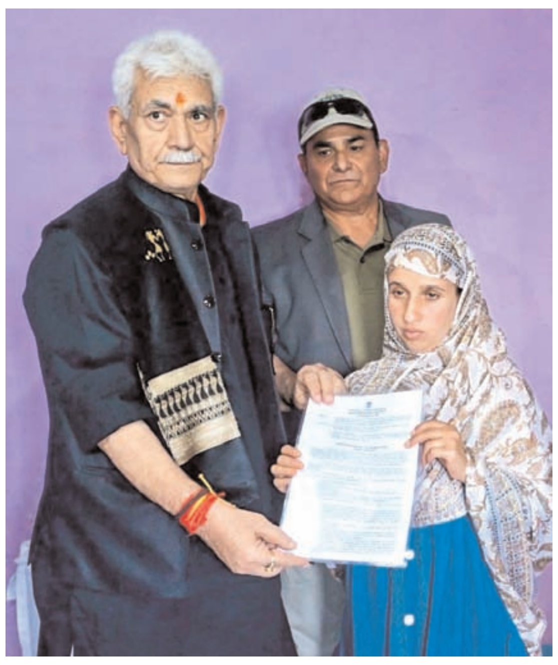

नियुक्ति पत्र

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को अनंतनाग में शहीद सैयद आदिल हुसैन की पत्नी श्रीमती गुलनाज अख्तर को उनके परिवार से मिलने के दौरान अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपा।

एअर इंडिया विमान दुर्घटना में लोगों की मौत से बेहद दुखी हूं : अमिताभ बच्चन

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन ने शनिवार को कहा कि अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में लोगों की मौत से वह बेहद दुखी हैं। अहमदाबाद से लंदन जा रहा 'बोइंग 787-8' विमान 12 जून को उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त होकर एक मेडिकल कॉलेज परिसर में जा गिरा जिससे विमान में सवार 241 लोगों, जमीन पर मेडिकल कॉलेज के छात्रों और कई अन्य की मौत हो गई।बच्चन ने अपने व्यक्तिगत 'ब्लॉग' पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने इस घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''एअर इंडिया विमान दुर्घटना से बेहद दुखी और व्यथित हूं... लोगों की मौत पर सहानुभूति व्यक्त करता हूं।'' अभिनेता ने दुर्घटना की ''पारदर्शी जांच'' की मांग की।बच्चन के अलावा शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा जोनास, अक्षय कुमार, आलिया भट्ट, अल्लू अर्जुन और करण जौहर सहित कई हस्तियों ने भी इस घटना में जनहानि पर शोक व्यक्त किया है।

अनुषा रिजवी की फिल्म में काम कर खुद को बहुत भाग्यशाली मानती है कृतिका कामरा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृतिका कामरा का कहना है कि वह खुद को बहुत भाग्यशाली मानती है कि उन्हें अनुषा रिज़वी की महिला प्रधान फिल्म में काम करने का मौका मिला है। कृतिका कामरा ने हाल ही में दिल्ली में अपनी अगली फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जिसका निर्देशन जानी-मानी फिल्मकार अनुषा रिज़वी ने किया है। इस फिल्म में जूही बब्बर, श्रेया धनवंतरि और कई अनुभवी महिला कलाकारों के साथ-साथ तकनीकी टीम में भी महिलाएं मुख्य भूमिकाओं में हैं,जो इसे महिलाओं के नेतृत्व वाली एक अनोखी और ताज़गी भरी फिल्म बनाती है। कृतिका ने कहा, ऐसे सेट पर होना वाकई खास होता है, जहां महिलाएं सिर्फ कैमरे के सामने नहीं बल्कि हर विभाग में निर्देशन, प्रोडक्शन, कॉस्ट्यूम्स सभी जगह नेतृत्व कर रही होती हैं। अनुषा रिज़वी के साथ काम करना एक तोहफे जैसा रहा। मैंने पहले भी कई शानदार महिला क्रिएटिव्स के साथ काम किया है, लेकिन इस फिल्म में अनुषा ने एक मज़बूत सोच और सहयोग की खुली जगह दी। जब इतनी सशक्त महिलाएं एक साथ आती हैं, तो वहां एक अलग ही ऊर्जा होती है ,जो प्रेरणादायक, सहयोगी और दिल को छूने वाली होती है। हम सिर्फ एक कहानी नहीं सुना रहे थे, बल्कि एक-दूसरे के अनुभव साझा कर रहे थे, एक-दूसरे का साथ दे रहे थे। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे इस खास प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला।

श्रद्धांजलि

अगरतला में एयर इंडिया के विमान -एआई-171 के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए माइम कलाकार कागज़ के विमान पकड़े हुए।

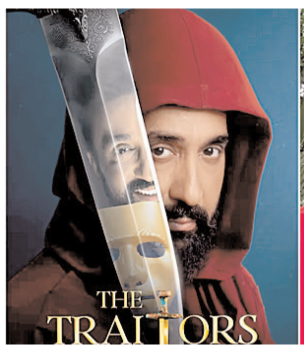

'द ट्रेटर्स' से बाहर हुए राज कुंद्रा, बोले- 'मैं झूठ नहीं बोल सकता'

मुंबई/एजेन्सी

होस्ट करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' से बिजनेसमैन और अभिनेता राज कुंद्रा बाहर हो चुके हैं। उन्होंने अपने पहले तीन एपिसोड में शानदार प्रदर्शन किया। शो से बाहर होने पर राज ने कहा कि वह जीतने के लिए झूठ नहीं बोल सकते। शो विश्वास, धोखे और रणनीति का खेल है, जिसमें 'इनोसेंट' को 'ट्रेटर' की पहचान करनी होती है। हालांकि, राज कुंद्रा का यकीन दिल जीतने में है, न कि धोखे में।

शो के दूसरे एपिसोड में राज कुंद्रा को 'ट्रेटर' के रूप में चुना गया। शो से बाहर होने पर राज ने कहा कि वे जीतने के लिए झूठ नहीं बोल सकते। उन्होंने बताया, ''मैं 'द ट्रेटर्स' में दिल और दोस्त जीतने आया था। मेरी पत्नी शिल्पा हमेशा कहती हैं कि मैं झूठ नहीं बोल सकता। यह मेरा स्वभाव नहीं है। मुझे खुशी है कि मैंने खुद को नहीं बदला। मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं।'' 'द ट्रेटर्स' में राज कुंद्रा के साथ करण कुंद्रा, अंशुला कपूर, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, अपूर्वा मुखिजा, जैस्मिन भसीन, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, रफ्तार, उर्फी जावेद, साहिल सलाठिया, सुधांशु पांडे जैसे कई सितारे शामिल हैं। इस शो में कुछ खिलाड़ी 'इनोसेंट' होते हैं, जिन्हें 'ट्रेटर्स' यानी गुप्त रूप से चुने गए धोखेबाजों को पहचानकर बाहर करना होता है।

यह शो प्राइम वीडियो पर 12 जून को रिलीज हो चुका है, जिसका निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया प्रोडक्शंस और ऑल 3 मीडिया इंटरनेशनल ने संयुक्त रूप से किया है। यह शो आईडीटीवी के बाफ्टा और एमी पुरस्कार विजेता फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है।

राज कुंद्रा ने हाल ही में अपनी पंजाबी फिल्म 'मेहर' की घोषणा की है। अभिनेता ने मोहाली में राकेश मेहता निर्देशित फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी, जिसमें वह अभिनेत्री गीता बसरा के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। 'मेहर' प्यार, जिंदगी और रिश्तों की एक आकर्षक कहानी है, जो 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, राज के पास दो अन्य प्रोजेक्ट हैं, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी। कुल तीन अपकमिंग फिल्मों के साथ वह पंजाबी सिनेमा में पैर जमाने के लिए तैयार हैं।

एक पल का मौनः ईशा कोप्पिकर ने अहमदाबाद प्लेन दुर्घटना के बाद जीवन की नाजुकता पर विचार किया

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने 12 जून को हुई भीषण एयर इंडिया प्लेन दुर्घटना के पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। यह दुर्घटना उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद हुई, जिसमें 200 से अधिक यात्री सवार थे और ज़मीन पर मौजूद नागरिकों की दुखद मृत्यु हो गई। यह प्लेन अहमदाबाद से लंदन की ओर जा रहा था, लेकिन अचानक से एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकरा गया। इसे हाल के वर्षों की सबसे बड़ी विमान दुर्घटनाओं में से एक बताया जा रहा है। एक गमगीन वीडियो संदेश में ईशा कोप्पिकर ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और सभी से जीवन की नाजुकता पर विचार करने का आग्रह किया। सिर झुकाए और स्पष्ट दुख के साथ, ईशा ने एक पल का मौन रखा और कहा, कभी कभी जिंदगी ऐसा दर्द दे जाती है जिनके लिए कोई शब्द नहीं मिलता, अहमदाबाद में हुई प्लेन दुर्घटना के ख़बर ने दिल को झिंझोड़ दिया है। न जाने कितने घर उजड़ गए, न जाने कितने सपने अधूरे रह गए। उन सभी मासूम जिंदगियों को मेरी दिल से दुआ है, ईश्वर उन्हें अपने चरणों में शांति दे। और उनके परिवारों के लिए मैं यही दुआ करती हूँ कि उन्हें ये असहनीय दर्द, पीड़ा सहने की शक्ति दे। हम सब उनके साथ हैं। ओम शांति!

उन्होंने लिखा, एक पल का मौन... उन लोगों के लिए जिन्हें हमने खो दिया। कुछ त्रासदियाँ शब्दों से परे होती हैं - हम केवल अपनी प्रार्थनाएँ, अपनी उपस्थिति और अपनी करुणा ही दे सकते हैं। यह याद दिलाता है कि जीवन कितना क्षणभंगुर और नाजुक हो सकता है! उनकी श्रद्धांजलि ऐसे समय में आई है जब पीड़ितों के परिवारों और इस अकल्पनीय हानि से प्रभावित परिवारों के लिए समर्थन के संदेश आ रहे हैं। उनकी पोस्ट एकता के लिए आह्वान और इस बात की याद दिलाती है कि हर पल कितना कीमती है। दुःख के समय में, उनका यह भावपूर्ण कदम साझा मानवता की एक शांत परन्तु सशक्त अभिव्यक्ति बन गया है।

'मेट्रो... इन दिनों' में हर किसी को दिखेगा अपनी जिंदगी का अक्स- आदित्य रॉय कपूर

नई दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अपनी आने वाली फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म की शामिल कहानियों से भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे। आदित्य का कहना है कि अगर लोग इस फिल्म से खुद को जोड़ पाते हैं और इसे पसंद करते हैं, तो यह फिल्म की सफलता होगी। साथ ही उन्होंने दावा किया कि लोगों को फिल्म में अपनी कहानी जरूर मिलेगी। 'मेट्रो... इन दिनों' साल 2007 में आई फिल्म 'लाइफ इन ए... मेट्रो' का सीक्वल है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाया था और दुनियाभर में करीब 24.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी। जब आदित्य से पूछा गया कि उनकी आने वाली फिल्म से क्या उम्मीदें हैं, तो उन्होंने कहा, सच कहूं तो, जब भी आप कोई फिल्म बनाते हैं, तो उम्मीद होती है कि सब लोग उसे पसंद करें और प्यार करें। लेकिन मैं नतीजों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। आदित्य ने कहा, सबसे बड़ी बात यह है कि लोग फिल्म को समझें और उससे अपने आप को जोड़ पाएं।

उन्होंने कहा, उम्मीद है कि लोग इन कहानियों से जुड़ पाएंगे। इस फिल्म की खास बात यह है कि हर किसी को कोई न कोई कहानी अपनी लगती है। फिल्म का टैगलाइन भी है- 'आपकी अपनी कहानी।' एक्टर का दावा है कि हर किसी को फिल्म की किसी न किसी कहानी में अपनी जिंदगी का अक्स जरूर दिखेगा। आदित्य ने कहा, फिल्म में ऐसी कोई न कोई कहानी होगी, जिससे आप खुद को जोड़ पाएंगे। मैं बस उम्मीद करता हूं कि लोग फिल्म से जुड़ें और इसे पसंद करें। अक्सर ऐसा होता है कि अगर लोग फिल्म से जुड़ते हैं और उसे पसंद करते हैं, तो फिल्म अच्छी चलती है। और हां, यह बहुत अच्छा होगा, है ना? तो बस, उम्मीद है कि ऐसा हो।

इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर के साथ एक्ट्रेस सारा अली खान हैं। 'मेट्रो... इन दिनों' में आधुनिक और जटिल रिश्तों की कहानी है। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान के अलावा, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे मशहूर कलाकार हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कश्मीरी पंडित का किरदार निभाना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी थी : दर्शन कुमार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता दर्शन कुमार का कहना है कि 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद, 'द बंगाल फाइल्स' में फिर से एक कश्मीरी पंडित का किरदार निभाना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी थी। 'द कश्मीर फाइल्स' की जबरदस्त कामयाबी के तीन साल बाद, दर्शन कुमार एक और दमदार कहानी के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। यह फिल्म है 'द बंगाल फाइल्स' (पहले इसका नाम 'द दिल्ली फाइल्स' था), जिसे विवेक अग्निहोत्री ने निर्देशित किया है। 'द बंगाल फाइल्स' में अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, पुनीत इस्सर और पल्लवी जोशी जैसे कलाकार भी हैं। इसमें दर्शन कुमार एक बार फिर से एक कश्मीरी पंडित का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म के टीज़र को मिल रही ज़बरदस्त प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए, दर्शन ने बताया, मैं 'द बंगाल फाइल्स' के टीज़र को लेकर बहुत एक्साइटेड और थोड़ा नर्वस भी हूँ। 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद, फिर से एक कश्मीरी पंडित का किरदार निभाना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी थी। दर्शन कुमार ने कहा, इस बार, यह और भी ज़्यादा इंटेंस, रॉ, इमोशनल, और ब्रूटली ऑनेस्ट है। मैंने इसमें अपना पूरा दिल लगा दिया है और उनकी अनसुनी आवाज़ों को जस्टिस देने की कोशिश की है। मुझे सच में उम्मीद है कि लोग मेरे किरदार की जर्नी और इस फिल्म के पावरफुल मैसेज से कनेक्ट कर पाएंगे।

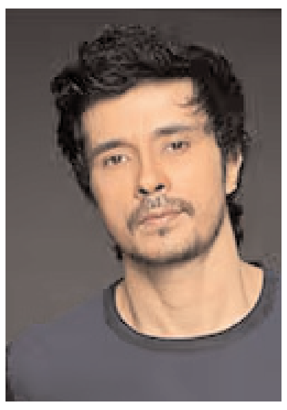

कुछ कहानियाँ सिर्फ बताई नहीं जातीं, उन्हें फील किया जाना चाहिए। दर्शन कुमार ने कहा, एक बार फिर से अनुपम खेर जी, पल्लवी जोशी जी, मिथुन दा, पुनीत इस्सर, हमारे निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री सर और हमारे निर्माता अभिषेक अग्रवाल के साथ काम करना सचमुच कमाल का है। 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद, ऐसे महान कलाकारों के साथ एक फिल्म का हिस्सा बनना किसी वरदान जैसा लगता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

दौरा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नीलगिरी जिले के वेलिंगटन में लेफ्टिनेंट जनरल करणबीर सिंह बरार, पीवीएसएम, एवीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, दक्षिण भारत क्षेत्र ने मद्रास रेजिमेंटल सेंटर का दौरा किया। उन्हें प्रशिक्षण के बुनियादी ढांचे के उन्नयन के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने अग्निवीरों को प्रौद्योगिकी अवशोषण के भारतीय सेना के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रदान किए जा रहे प्रौद्योगिकी संचालित प्रशिक्षण का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। जीओसी ने सेवानिवृत्त लोगों के प्रभावी पुनर्वास, भूतपूर्व सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का स्वागत किया। जीओसी ने पुनर्निर्मित रतन टाटा ऑफिसर्स हॉलिडे होम कॉम्प्लेक्स का भी उद्घाटन किया और इसे नीलगिरी के स्वास्थ्यप्रद जलवायु में घर से दूर एक घर के रूप में सशस्त्र बल अधिकारियों के उपयोग के लिए समर्पित किया।

रक्तदान : — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर शक्ति अम्मा की प्रेरणा से वेल्लूर श्रीपुरम पीठ द्वारा नारायणी महल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसका उद्घाटन नारायणी ग्रुप ऑफ इंस्टीटूयूशन के निदेशक प्रोफेसर एन. बालाजी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में यूएस से आई डॉ कुलरित चौधरी, चिकित्सा अधीक्षक डॉ गीता इनियन, संस्थान के डॉ मात्रुवल्ली सहित अनेक चिकित्सक व ट्रस्टी उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में संस्थान व पीठ के अधिकारियों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों ने रक्तदान किया।

वैष्णव महाविद्यालय में पाँच दिवसीय संकाय विकास एवं गुरु दक्षता पाठ्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय, अरुम्बाक्कम्, चेन्नई में संकाय विकास प्रकोष्ठ और आई क्यू ए सी के अंतर्गत 11 से 15 जून तक नव आगंतुक शिक्षकों के लिए पाँच दिन का संकाय प्रेरण कार्यक्रम और सभी पुराने शिक्षकों के लिए पाँच दिन के संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज प्रांगण में किया जा रहा है। 11 जून को उद्घाटन सत्र में 500 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया।

उद्घाटन सत्र का संचालन विज़ कॉम की अध्यक्ष डॉ जी वसंत ने किया। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ वी सौम्यनरायनन ने कॉलेज की प्रार्थना के अर्थ और महत्व को समझाया। संकाय विकास प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ उत्तरा डी ने सभी का स्वागत किया और मुख्य अतिथि का परिचय दिया। अपने अध्यक्षीय भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू ने कहा कि किसी भी कॉलेज के लिए शिक्षक सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने नए शिक्षकों को कॉलेज के सभी नियम एवं अन्य बातों से परिचय कराया तथा अनुशासन के महत्व को भी समझाया। प्राचार्य ने कहा की अभी आप सभी ए++ नैक रैंकिंग वाले कॉलेज में हैं यह प्राप्त करना आसान नहीं है परंतु अब इसे बरकरार रखने की जिम्मेदारी आप सभी पर है। उन्होंने इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ उत्तरा को तथा आई क्यू ए सी के संयोजक डॉ एम डी बालकुमरन को इस आयोजन के लिए बधाई दी।

महाविद्यालय के सचिव अशोक मूँधड़ा ने इस कार्यक्रम में नए शिक्षकों का वैष्णव महाविद्यालय में स्वागत किया और कहा कि आने वाले समय में आप सभी इस देश का भविष्य निर्माण करने वाले हैं, आप सभी पढ़ाने के साथ अपने भीतर के मानवीय गुणों को छात्रों में रोपित करें। आप किसी भी विषय के हों अन्य विषयों की जानकारी भी लीजिये और पुस्तकालय का अधिक से अधिक प्रयोग कीजिये।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आए तमिलनाडु राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव डॉ डी वेलमुरुगन ने बड़े ही विस्तार से तमिलनाडु सरकार की उच्च शिक्षा नीतियों तथा उसके विभिन्न आयामों पर चर्चा की। उन्होंने वैष्णव कॉलेज को चेन्नई के विद्यार्थियों के लिए वरदान बताया और कहा कि आज हम सभी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की बातें करते हैं लेकिन यह कॉलेज पिछले 60 वर्षों से अपनी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए ही जाना जाता है। अनुशासन और ज्ञान दोनों ही यहाँ सीखने योग्य है। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रथम सत्र में कॉलेज की परीक्षा नियंत्रक डॉ प्रभा राजगोपालन ने परीक्षा विभाग की सम्पूर्ण जानकारी दी। दूसरे और तीसरे सत्र में सिद्धांता फ़ाउंडेशन की तरफ से भारतीय ज्ञान परंपरा पर विशेष चर्चा की गई।

अवाड़ी में साध्वियों का प्रवचन आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रत्न वंश के आचार्यश्री हीराचन्द्रजी म.सा. एवं भावी आचार्य पूज्य श्री महेंद्रमुनिजी म.सा.की आज्ञानुवर्तिनी महासती श्री सुमतिप्रभाजी, महासतीश्री देवांगनाजी, महासतीश्री अंजनाजी, महासतीश्री सिंधुजी म. सा. रविवार को सुबह सूर्योदय पश्चात करियानचावडी से विहार कर एस एस जैन भवन, आवडी पधारेंगे इनका चातुर्मास किलपाक संघ में होगा।

सुबह प्रवचन एवं दोपहर में धर्मचर्चा होगी। सूर्यास्त के पश्चात् महिलाओं के लिए प्रतिक्रमण होगा। यह जानकारी एस एस जैन संघ आवडी के महामंत्री डॉ. जबरचंद जैन ने दी है।

साध्वीश्री का चेन्नई की ओर विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। श्रमण संघीय श्री चारित्र प्रभाजी की शिष्या डॉ. प्रतिभाश्रीजी म. सा. साध्वीश्री ऋषिताजी, साध्वीश्री अनुज्ञाश्रीजी, साध्वीश्री सर्वज्ञाश्री जी, साध्वीश्री प्रियांगीश्रीजी म.सा. का विहार चातुर्मासार्थ कोयम्बटूर की ओर गतिमान है। शनिवार को सतीमंडल ने मद्धमपालयम से एनएसएन पालयम का विहार किया। इस विहार में एससीएस जैन संघ के कार्यकारिणी सदस्य देवराज रांका, राजेश कुमार गादिया के साथ ही नेमीचंद लोढ़ा, हेमंत भंसाली, गौतम धारीवाल, बबलू ललवानी, आशीष कांटेड, आशीष सुराना एवं निकू बागरेचा आदि ने विहार सेवा का लाभ लिया। रविवार को सती मंडल तुड़ियलूर की ओर प्रस्थान करेगा। सती वृंद का चातुर्मासिक प्रवेश आगामी 28 जून को एस सी एस जैन संघ के प्रांगण में होगा। ज्ञातव्य हो कि सती मंडल का गत चौमासा चेन्नई के मैलापूर में हुआ था।

सच्चे नेतृत्व की परख संघर्ष के दौरान होती है: श्रीलंकाई सेना प्रमुख

देहरादून/भाषा। श्रीलंका सेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो ने शनिवार को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) के वसंत सत्र की पासिंग आउट परेड (पीओपी) की समीक्षा की और कहा कि सच्चे नेतृत्व की परख शांति में नहीं बल्कि संघर्ष के समय होती है। अपने-अपने देशों की सेनाओं में कमीशन पाने वाले 451 'जेंटलमैन कैडेटों' को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने कहा कि कमीशन पाना केवल शुरुआत है। रोड्रिगो स्वयं इस संस्थान के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने कहा, कठिन समय तब शुरू होता है जब आप संस्थान छोड़ते हैं।

राजस्थान के मंत्रियों ने तिरुपति बालाजी के दर्शन किए, प्रवासियों ने किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति। राजस्थान सरकार में राज्य गृह मंत्री जवाहर सिंह बेधम और उद्योग मंत्री केके बिश्नोई बालाजी के दर्शन करने तिरुपति पहुंचे। उन्होंने बालाजी के दर्शन किए तथा ट्रस्ट की ओर से उनका सम्मान किया गया। साथ में कर्नाटक के राज्यपाल के ओएसडी शंकर सिंह गुर्जर का भी आगमन हुआ। तिरुपति के जाट समाज भवन में अतिथियों का स्वागत व गेट-टुगेदर कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें समाज के लोगों ने राजनेताओं का सम्मान किया। मंत्री जवाहर सिंह बेधम और केके बिश्नोई ने अपने संबोधन से सबसे पहले अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनिट का मौन रखा।

बेधम ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी बंधु की एकता, स्नेह और प्रेम सराहनीय है और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने प्रवासी कारोबारियों से अपील की कि आप लोग कर्मभूमि के साथ साथ जन्मभूमि से अपना लगाव बनाए रखें। अपने बच्चों को साल में एक या दो बार मारवाड़ की भूमि के दर्शन करवाएं। उद्योग मंत्री केके बिश्नोई ने कहा अब राजस्थान विकास की राह दौड़ रहा है। डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में राज्य आगे बढ़ रहा है।

प्रवासी राजस्थानी संघ के प्रकाशसिंह राजपुरोहित ने अपने विचार रखे। दोनों मंत्रियों ने कार्यक्रम आयोजक रामदेव भाना को धन्यवाद दिया। आयोजन में पुखराज पटेल, प्रकाश सिंह राजपुरोहित, भंवरलाल कुमावत बुधाराम जाट, बलदेव जाट, राजेन्द्र भाना, अरविंद राजपुरोहित, सोहन पुनिया, नरसिंग खीचड़, गोपाल कुमावत, रूपाराम देवासी, रणजीत करेसिया, बक्शाराम आदि उपस्थित थे।

टेनिस आइकन सोमदेव देववर्मन ने यूनिफाइड स्पेशल कार्निवल में प्रेरित किया

विशेष बच्चों के लिए समावेशिता का जश्न मनाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास वेस्ट राउंड टेबल 10 (एमडब्ल्यूआरटी 10) एक बार फिर बहुप्रतीक्षित यूनिफाइड स्पेशल कार्निवल 2025 के माध्यम से आईसीएफ इंडोर स्टेडियम में चेन्नई भर से 1000 से अधिक विशेष बच्चों के लिए खुशी, समावेश और उत्सव लेकर आया। 1996 में स्थापना के बाद से अपने 29वें गौरवशाली वर्ष में, इस ऐतिहासिक आयोजन को भारत के टेनिस आइकन और युवाओं और खेलों के एक भावुक समर्थक सोमदेव देववर्मन की प्रेरक उपस्थिति से और ऊंचा उठाया गया।

सोमदेव देववर्मन, जो अंतरराष्ट्रीय टेनिस सर्किट पर अपने धैर्य और दृढ़ संकल्प के लिए जाने जाते हैं, ने जोरदार जयकारों के साथ उत्सव का उद्घाटन किया। उनकी उपस्थिति ने समावेशिता के माध्यम से सशक्तिकरण के कार्निवल के मूल संदेश को रेखांकित किया, जो एमडब्ल्यूआरटी 10 के सेवा के माध्यम से फैलोशिप के बड़े मिशन को प्रतिध्वनित करता है। आईसीएफ इंडोर स्टेडियम में जीवंत माहौल इसकी पहुंच और जगह के साथ कार्निवल गेम्स, संगीत, खाद्य स्टालों और बच्चों के लिए डिज़ाइन किए गए अनुकूलित फुटबॉल मैचों से भरे दिन के लिए एकदम सही पृष्ठभूमि तैयार करता है।

एमडब्ल्यूआरटी 10, सेवा की मजबूत विरासत के साथ राउंड टेबल इंडिया का एक अध्याय है, जो 'शिक्षा के माध्यम से स्वतंत्रता' और स्वास्थ्य सेवा आउटरीच जैसी प्रभावशाली परियोजनाओं के माध्यम से जीवन को बदलना जारी रखता है, जिसमें पोरुर में डायलिसिस सेंटर का चरण खख भी शामिल है। ये पहल वंचित बच्चों और रोगियों की सेवा करती हैं, जिसमें यूनिफाइड स्पेशल कार्निवल समग्र और समावेशी सामुदायिक जुड़ाव के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक शानदार उदाहरण है।

इस आयोजन के महत्व के बारे में बात करते हुए, नवनियुक्त अध्यक्ष अकुल ने कहा, एकीकृत विशेष कार्निवल सिर्फ़ एक आयोजन नहीं है, यह एक ऐसा आंदोलन है जो दिलों को जोड़ता है। आज हमारे साथ सोमदेव देववर्मन जैसे युवा आइकन का होना स्वीकृति और समावेश का एक शक्तिशाली संदेश देता है।

उपाध्यक्ष वरुण रेड्डी ने कहा, यह कार्यक्रम महीनों की कड़ी मेहनत और सहयोग का परिणाम है। यह दर्शाता है कि जब उत्साही युवा व्यक्ति अपने से बड़े उद्देश्य के लिए एकजुट होते हैं तो क्या संभव है। सचिव लवीश, कार्यक्रम संयोजक अनिरुद्ध और सुनील से लेकर दुष्यंत, कुणाल और राष्ट्रीय कनेक्ट संयोजक विकास नाहर आदि ने, पर्दे के पीछे के प्रयास में सच्ची टीमवर्क और उद्देश्य को दर्शाया।

जैसे-जैसे दिन मुस्कुराहट, हाई-फाइव और दिल को छू लेने वाले पलों के साथ आगे बढ़ा, यूनिफाइड स्पेशल कार्निवल 2025 एकता, करुणा और इस विश्वास के उत्सव के रूप में उभरा कि हर बच्चा खुशी, सम्मान और समावेश का हकदार है। यह आयोजन चेन्नई के सामाजिक परिदृश्य में बदलाव लाने वाले के रूप में एमडब्ल्यूआरटी 10 की विरासत को मजबूत करता है।

जैन मेडिकल रिलीफ सोसाइटी द्वारा एक और डाइलासिस मशीन का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एस एस जैन संघ साहूकार पेट द्वारा स्थापित श्री जैन मेडिकल रिलीफ सोसाइटी द्वारा संचालित भगवान महावीर डाइलासिस सेंटर में आज एक और नई डाइलासिस मशीन का साहूकारपेट संघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द खिवसरा द्वारा उद्घाटन किया गया। डाइलासिस मशीन मनोहर राज कमला देवी कांकरिया चैरिटेबल ट्रस्ट के हरीश कांकरिया द्वारा भेंट की गई।

उल्लेखनीय है कि सेंटर द्वारा पहले से ही पांच डाइलासिस मशीन कार्यरत हैं जो कि न्यूनतम मूल्य पर लोगों को डाइलासिस कराती है।

अपने स्वागत भाषण में सोसाइटी के अध्यक्ष अशोक मेहता ने जैन मेडिकल रिलीफ सोसाइटी द्वारा प्रति वर्ष हजारों निशक्त लोगों के न्यूनतम मूल्य पर डाइलासिस करने की जानकारी दी और इस पुनीत कार्य के लिए सहयोगी दानदाताओं का आभार व्यक्त किया।

सोसाइटी के सचिव राजकुमार दुगड ने सोसाइटी द्वारा संचालित कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष लगभग 12000 मरीजों का अत्यंत ही कम मूल्य पर डाइलासिस किया जाता है।

इस आयोजन में मुख्य अतिथि चेनई महानगर पालिका के पार्षद राजेश जैन रंगीला सहित महानगर के अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति थी। अंत में भगवान महावीर डाइलासिस सेंटर के सचिव सुभाष कांकलिया ने पधारे हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन श्रीपाल कोठारी ने किया। यह जानकारी संघ के मीडिया प्रभारी अजीत कोठारी ने दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पितृ दिवस पर

पिता पर नौ दोहे

- समझो उनको मिल गया ,जीवन का आधार।
  जिनकी क़िस्मत में रहा, रोज़ पिता का प्यार ।।
- गूँजे ख़ुशियों से सदा, घर, आँगन, संसार ।
  रहें पिता की छाँव में, हो ऐसा परिवार ।।
- पिता रहें तो स्वर्ग है, उनसे देश – समाज ।
  पिता बिना सूना लगे, तख़्त मिले या ताज़ ।।
- सगे पराए हो गए, बचा नहीं कुछ आज ।
  छोड़ गए जब से पिता, उठती है आवाज़ ।।
- दुख सहते हैं उम्रभर, करते नहीं बखान ।
  उनके बिन संभव नहीं, जग में कन्यादान ।।
- माँ ममता की छाँव है, पिता छाँव की रीढ़।
  ये होते हैं जिस जगह, बन जाता है नीड़ ।।
- मिली पिता से हर ख़ुशी, मिला उन्हीं से नाम ।
  वरना इस संसार में, रह जाते गुमनाम ।।
- करते हैं हर हाल में, पिता पुत्र को दक्ष ।
  ये कोई किस्सा नहीं, दिखता है प्रत्यक्ष ।।
- लाख करे कोई जतन, नहीं उतरता कर्ज़ ।
  पिता देव–गुरु तुल्य हैं, सदा निभाएं फर्ज़ ।।

डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.